मौजूदा वक्त में मस्जिदों में लाउडस्पीकर बजाने को लेकर उपजे विवाद ने सियासी रंग अख्तियार कर लिया है लेकिन इसके वैज्ञानिक और कानूनी पहलू भी हैं जिसको नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। जानें ध्वनि प्रदूषण पर क्या कहता है कानून...

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 124 दिनांकः 18-04-2022 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

गुजरात की टीम छह मैचों में पांच जीत और एक हार (10 अंक) के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। वहीं, चेन्नई की टीम छह मैचों में एक जीत और पांच हार के साथ दो अंक लेकर नौवें स्थान पर मौजूद है।

दिल्ली की सांप्रदायिक हिंसा में मुख्य साजिशकर्ता समेत 22 गिरफ्तार

मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी जाएगी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी में हनुमान जन्मोत्सव पर शोभायात्रा पथराव के बाद भड़की हिंसा पर काबू पा लिया गया है। रविवार को कोई उपद्रव नहीं हुआ। इलाके में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और एहतियातन बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात है। हालात पर नियंत्रण पाने के साथ ही उपद्रवियों की धरपकड़ शुरू हो गई है। पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता अंसार सहित 22 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो नाबालिग हैं। अंसार व पिस्टल से फायरिंग करने के आरोपित असलम को पुलिस ने रोहिणी कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। इनसे पूछताछ कर अन्य साजिशकर्ताओं के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

आरोपितों से तीन पिस्टल, पांच तलवारें भी बरामद हुई हैं। रविवार देर शाम क्राइम ब्रांच के विशेष आयुक्त रविंद्र यादव ने घटनास्थल का दौरा कर हालात का जायजा लिया। माना जा रहा है कि पूरे मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी जाएगी। उत्तर पश्चिमी जिले की डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि अंसार ही हिंसा का मुख्य साजिशकर्ता है।

चौथी कक्षा तक पढ़ा अंसार कबाड़ी का काम करता है। उसके खिलाफ दो मामले पूर्व में दर्ज हैं। उसे पहली बार 2009 में चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 2018 में उसके खिलाफ सरकारी कर्मचारी पर हमला करने और काम में बाधा डालने की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया था। उस पर सट्टेबाजी के मामले में भी कार्रवाई की जा चुकी है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपितों में शामिल असलम ने ही एसआइ मेदा लाल पर गोली चलाई थी। उसने पिस्टल से कई फायर कर शोभायात्रा में दहशत फैलाने का काम किया। उस पर भी दंगा करने, मारपीट, धमकी आदि के आरोपों में पहले से भी मामले दर्ज हैं। उसके पास से वारदात में प्रयुक्त पिस्टल बरामद कर ली गई है।

दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार की शाम शोभायात्रा जब जहांगीरपुरी के सी-ब्लाक में जामा मस्जिद के पास पहुंची तो वहां पर अंसार अपने चार-पांच साथियों के साथ पहुंच गया। इसके बाद शोभायात्रा में शामिल लोगों के साथ बहस करते हुए यात्रा को रोकने लगा। कुछ ही देर में शोभायात्रा पर पथराव शुरू हो गया। साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने जब रोकना चाहा तो उपद्रवियों ने उन पर भी पथराव करते हुए फायरिंग शुरू कर दी। इसमें एसआइ मेदा लाल के बाएं हाथ में गोली लगने से जख्मी हो गए थे, जबकि आठ अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। हिंसा के आरोपितों के खिलाफ दंगा भड़काने, शांतिभंग, पुलिस पर हमला करने और सरकारी कामकाज में बाधा डालने सहित कई अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

जीएसटी के टैक्स स्लैब में फेरबदल की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले महीने जीएसटी परिषद की बैठक होने वाली है। यह बैठक बेहद खास होने वाला है क्योंकि इसमें जीएसटी से संबंधित नियमों में बदलाव की घोषणा हो सकती है। दरअसल, पांच फीसदी की टैक्स स्लैब को समाप्त करने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है, इस पर जीएसटी की बैठक में चर्चा हो सकती है। अधिक खपत वाले प्रोडक्ट्स को 3 प्रतिशत और बाकी को 8 प्रतिशत के स्लैब में डाला जा सकता है। इससे सरकार को रेवेन्यू जेनरेट करने में मदद मिलेगी और अन्य राज्यों को मुआवजे के लिए केंद्र पर निर्भर नहीं पड़ेगा। बता दें कि वर्तमान में जीएसटी एक चार स्तरीय संरचना है, जिस पर क्रमशः 5ऱ्, 12ऱ्, 18ऱ् और 28ऱ् की दर से टैक्स लगता है। आवश्यक वस्तुओं को या तो सबसे कम स्लैब में छूट या टैक्स लगाया जाता है, जबकि विलासिता और अवगुण वस्तुओं पर हाई टैक्स स्लैब लागू होता है। लग्जरी और सिन गुड्स पर सबसे अधिक 28 फीसदी स्लैब के ऊपर सेस लगता है। इसपर टैक्स कलेक्शन उपयोग जीएसटी रोलआउट होने के बाद राज्यों को राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए किया जाता है। इसके अलावा, सोने और सोने के आभूषणों पर 3ऱ् टैक्स लगता है। वहीं, अभी बिना ब्रांड वाले और बिना पैकेज वाले खाद्य पदार्थ और डेयरी वस्तुएं जीएसटी के दायरे से बाहर हैं। सूत्रों के मुताबिक, रेवेन्यू बढ़ाने के लिए परिषद कुछ गैर-खाद्य वस्तुओं को छूट लिस्ट से हटाकर 3ऱ् स्लैब रख सकती है। सूत्रों ने कहा कि 5ऱ् स्लैब को 7 या 8 या 9ऱ् तक बढ़ाने के लिए चर्चा चल रही है। हालांकि, अंतिम फैला जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा जिसमें केंद्र और राज्यों दोनों के वित्त मंत्री शामिल होंगे। एजेंसी ने कहा कि टैक्स स्लैब को 5ऱ् से बढ़ाकर 8ऱ् करने से अतिरिक्त ?1.50 लाख करोड़ वार्षिक राजस्व प्राप्त हो सकता है। गणना के अनुसार, एक फीसदी की बढ़ोतरी से सालाना 50,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो सकता है। इसमें मुख्य रूप से पैकेज्ड खाद्य पदार्थ शामिल हैं। इसके अलावा, मंत्रियों का समूह जीएसटी को तीन-स्तरीय संरचना बनाना चाहता है, जिसमें क्रमशः 8ऱ्, 18ऱ् और 28ऱ् की दरों में संशोधन होगा।

उपचुनाव में जीत से टीएमसी के हौसले बुलंद

कल्याण बनर्जी बोले- यूपी से नहीं बंगाल से तय होगी देश की राजनीति

कोलकाता (ईएमएस)। देश में संपन्न चार राज्यों के उपचुनाव के परिणामों के बाद बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के हौंसले बुलंद हैं। टीएमसी ने 2024 का रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया है। टीएमसी ने कहा है कि देश की राजनीति के लिए उत्तर प्रदेश अंतिम नहीं है, बल्कि बंगाल भी देश की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करता है। उन्होंने कहा कि 2024 में पश्चिम बंगाल में टीएमसी लोकसभा की सभी 42 सीटें जीतेगी। बता दें कि पश्चिम बंगाल की एक लोकसभा और एक विधानसभा सीटों पर 12 अप्रैल को हुए उपचुनाव में टीएमसी प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा और बाबुल सुप्रियो को जीत मिली है।

टीएमसी के फायरब्रांड सांसद कल्याण बनर्जी ने आसनसोल लोकसभा उपचुनाव के नतीजों के बाद ये बातें कही। बनर्जी ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मजाक भी उड़ाया। बनर्जी ने कहा कि उपचुनाव परिणाम के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी का सिंहासन हिलना शुरू हो गया है।

तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने आसनसोल में तृणमूल उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा के जीत के बहाने सीधे-सीधे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि देश की राजनीति में उत्तर प्रदेश नहीं बल्कि बंगाल की जनता अंतिम फैसला देती है। उन्होंने कहा कि आसनसोल में तृणमूल की भारी जीत के बाद 2024 के लोकसभा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सिंहासन हिलने लगा है।

कल्याण बनर्जी ने भविष्यवाणी करते हुए बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में 42 में से 42 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस जीतेगी। कल्याण बनर्जी के अनुसार, आसनसोल की जीत राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल उम्मीदवार अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के प्रति आसनसोल वासियों का असीम प्यार है। बनर्जी के अनुसार, तृणमूल के बारे में कुछ लोगों ने बंगाल में कुप्रचार कर रखा था लेकिन उपचुनाव में उनकी पार्टी की भारी जीत में उनके गलत मंसूबे पर पानी फेर दिया।

राष्ट्रीय राजनीति में मौजूदगी दर्ज करा रहीं हैं ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राष्ट्रीय राजनीति में समय-समय पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराती रहीं हैं। हाल ही में 5 राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने यूपी में न सिर्फ अखिलेश यादव के लिए प्रचार किया बल्कि उनकी पार्टी ने गोवा में चुनाव भी लड़ा। हालांकि दोनों ही राज्यों में उनकी मौजूदगी का कुछ खास असर नहीं पड़ा, लेकिन कई मौके पर वे बीजेपी शासित राज्यों में किसी मुद्दे पर और केंद्र सरकार के फैसलों के खिलाफ अपनी बेबाक राय रखती रही हैं।

मार्च में विपक्षी पार्टियों के नेताओं को लिखा था पत्र-

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले महीने सभी गैर बीजेपी शासित मुख्यमंत्रियों और विपक्षी पार्टियों के नेताओं को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ एकजुट होने की अपील की थी। ममता बनर्जी ने अपने पत्र में लिखा, मैं सत्ताधारी बीजेपी द्वारा देश के लोकतंत्र पर सीधे हमले पर चिंता जताने के लिए यह लिख रही हूं। उन्होंने लिखा, ईडी, सीबीआई, सीवीसी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को टारगेट और उत्पीड़ित करने के लिए किया जा रहा है।

ममता ने कहा, हम सभी को मिलकर विपक्षी नेताओं को दबाने के इरादे से इन केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने की भाजपा की मंशा का विरोध करना चाहिए। ममता ने कहा, चुनाव आते ही जांच एजेंसियों को कार्रवाई के लिए छोड़ दिया जाता है। हम पारदर्शिता और जवाबदेही में विश्वास रखते हैं लेकिन हम बीजेपी के नेतृत्व में हो रही ऐसी राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

ममता ने कहा, हम सभी को इस मामले में एक मीटिंग के लिए साथ आना चाहिए। यह ऐसी जगह पर हो, जो सभी के लिए उचित हो। देश में अभी सभी प्रगतिशील ताकतों को एक साथ आने और दमनकारी ताकत से लड़ने की जरूरत है।

सीएनजी और पीएनजी के दाम रिकार्ड स्तर पर पहुंचे, सामने आई प्रमुख वजह

नई दिल्ली । पेट्रोलियम मंत्रालय ने घरेलू क्षेत्रों (फील्ड) से शहरी गैस वितरकों (सीजीडी) के लिए प्राकृतिक गैस का नया आवंटन बंद कर दिया है। इससे सीएनजी और पीएनजी (पाइप के जरिये घरों में आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस) के दाम रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि आवंटन रोका नहीं गया है और क्षेत्र को अधिक गैस देने से बिजली और उर्वरक जैसे क्षेत्रों के लिए आपूर्ति में कटौती करनी पड़ेगी। सरकार के इस कदम से नए शहरों में विस्तार के लिए दो लाख करोड़ रुपये की निवेश योजना पर सवाल खड़े हो गए हैं। सीएनजी के ऊंचे दामों ने वाहन ईंधन के इस सस्ते विकल्प की कीमत को पेट्रोल और डीजल के करीब ला दिया है। ऐसे में उपभोक्ताओं के लिए अपने वाहनों को स्वच्छ ईंधन विकल्प में बदलना फायदेमंद नहीं रह गया है।

इस पूरे घटनाक्रम से जुड़े तीन अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के शहरी गैस वितरण क्षेत्र को 'बिना कटौती' के प्राथमिकता के आधार पर 100 प्रतिशत गैस आपूर्ति के निर्णय के बावजूद क्षेत्र को आपूर्ति मार्च, 2021 की मांग के स्तर के आधार पर की जा रही है। इसके चलते शहरी गैस वितरण कंपनियों को ऊंची कीमत पर आयातित एलएनजी की खरीद करनी पड़ रही है जिससे गैस की कमी हो गई है और कीमतों में उछाल आया है।

मंत्रालय ने कहा कि उसे अब तक सीजीडी इकाइयों से अक्टूबर, 2021 से मार्च, 2022 के लिए आंकड़े नहीं मिले हैं, जिसके आधार पर अप्रैल, 2022 में आवंटन किया जा सके। सूत्रों ने कहा कि मंत्रालय को प्रत्येक छह माह में यानी अप्रैल और अक्टूबर में पिछले छह महीनों की सत्यापित मांग के आधार पर घरेलू गैस का आवंटन करना होता है। हालांकि मार्च, 2021 से इस तरह का कोई आवंटन नहीं किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि अक्टूबर, 2020 और मार्च, 2021 की खपत के आंकड़ों के आधार पर अप्रैल- अक्टूबर, 2021 के आवंटन को पिछले साल अप्रैल में संशोधित किया गया था।

शहरी गैस वितरण इकाइयों ने मंत्रालय से क्षेत्र को गैस की आपूर्ति 'नो कट' श्रेणी में पिछले दो माह के औसत के आधार पर देने का आग्रह किया है। इससे उन्हें सीएनजी और पीएनजी की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि मंत्रालय ने ऐसा नहीं किया है और पिछले एक साल से अधिक समय से गैस का कोई नया आवंटन नहीं किया है। आवंटन में कमी के अलावा सीएनजी और पीएनजी के लिए एपीएम गैस के दाम 2.90 डालर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (प्रति इकाई) से बढ़ाकर 6.10 डालर प्रति इकाई कर दिए गए हैं। इस तरह एपीएम गैस के दामों में 110 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

नए क्षेत्रों में सीएनजी नेटवर्क और आपूर्ति के विस्तार से मौजूदा शहरों में सीएनजी की मांग काफी तेजी से बढ़ी है। घरेलू क्षेत्रों से आवंटन की कमी का मतलब है कि आपरेटरों को आयातित तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदनी होगी जिसकी कीमती घरेलू दरों से कम-से-कम छह गुना अधिक हैं। इसी का नतीजा है कि पिछले एक साल में सीएनजी के दाम 60 प्रतिशत या 28 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ गए हैं। वहीं पीएनजी की कीमतों में एक-तिहाई यानी करीब 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

15 दिनों में 500 प्रतिशत तक बढ़ गया है दिल्ली में कोरोना संक्रमण

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक सर्वेक्षण में यह दावा किया गया है। दिल्ली और एनसीआर के कम से कम 19 प्रतिशत लोगों ने सर्वेक्षण में बताया कि उनके करीबी नेटवर्क के एक या एक से अधिक व्यक्ति पिछले 15 दिन में संक्रमण की चपेट में आए हैं। यह सर्वेक्षण 'लोकलसर्किल्स' नामक कंपनी ने कराया है और इसमें सामने आया कि 'कोविड नेटवर्क प्रिवलेंस' पिछले 15 दिन में 500 प्रतिशत तक बढ़ा है।

कंपनी ने बताया कि सर्वेक्षण में दिल्ली और एनसीआर के सभी जिलों के 11,743 लोगों से पूछताछ की गयी। इसमें लोगों से पूछा गया, 'आपके करीबी सोशल नेटवर्क (परिवार,मित्र,पड़ोसी,सहकर्मी) में बच्चों समेत कितने लोग हैं, जिन्हें पिछले 15 दिन में कोविड हुआ है?' उत्तर देने वालों में से करीब 70 प्रतिशत ने कहा, 'पिछले 15 दिन में कोई भी नहीं', 11प्रतिशत लोगों ने कहा 'एक या दो', आठ प्रतिशत लोगों ने कहा,'तीन से पांच', वहीं 11प्रतिशत अन्य लोगों ने कहा 'नहीं बता सकते।'

दो अप्रैल को भी कंपनी ने यही प्रश्न पूछे थे और पाया था कि केवल तीन प्रतिशत लोगों के करीबी नेटवर्क में कोई न कोई पिछले 15 दिन में संक्रमित हुआ है। सर्वेक्षण के ये परिणाम ऐसे वक्त में सामने आए हैं, जब दिल्ली में भी संक्रमण के मामलों में तेजी आई है।

सीडीएस पद के लिए सेवानिवृत्त व सेवारत दोनों अधिकारियों पर विचार की संभावनाद

नई दिल्ली । नए चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति के लिए सरकार सेवानिवृत्त और सेवारत दोनों अधिकारियों पर विचार कर सकती है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत की पिछले साल आठ दिसंबर को हवाई दुर्घटना में मृत्यु के बाद से यह पद रिक्त है।

सूत्रों ने यह भी बताया कि सरकार आगामी सप्ताह में अगले सेनाध्यक्ष के नाम की भी घोषणा कर सकती है क्योंकि इस संबंध में फैसला ले लिया गया है। सीडीएस पद के लिए नामों के पैनल में तीन स्टार और चार स्टार रैंक के अधिकारियों दोनों को शामिल किया जा सकता है। सीडीएस कार्यालय और थिएटर कमांड को बनाने और उसकी कमान के तहत रखने की योजना है। यह देश में अब तक का सबसे मजबूत सैन्य कार्यालय बनाने की उम्मीद है जिसमें सभी युद्धक टुकड़ियां सीधे रिपोर्ट करेंगी ।

2019 में सत्ता में लौटने के छह महीने के भीतर नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा सीडीएस की नियुक्ति की देश के सर्वोच्च सैन्य ढांचे में सबसे बड़े सुधार के रूप में सराहना की गई। सीडीएस कार्यालय और सृजित की जाने वाली थियेटर कमान को उसके तहत लाने से इसके देश के सबसे ताकतवर सैन्य कार्यालय बनने की संभावना है जिसे सभी युद्धक टुकड़ियां सीधे रिपोर्ट करेंगी।

सीडीएस को सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था जो वर्तमान में अतिरिक्त सचिव रैंक के लेफ्टिनेंट जनरल के तहत काम करता है। सीडीएस इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ का भी प्रमुख हैं जिसके प्रमुख वर्तमान में वायुसेना के तीन स्टार अधिकारी हैं। सरकार ने सीडीएस को मेक इन इंडिया रक्षा कार्यक्रम का प्रभारी भी बनाया है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत योजना को बढ़ावा देने का कार्य भी सौंपा है। सीडीएस सैन्य मामलों में सरकार के परामर्शदाता भी हैं और रक्षा मंत्रालय में वरिष्ठतम नौकरशाह भी हैं जिनके पास चार बड़े विभाग हैं।

हरियाणा के सोनीपत के कुंडली इलाके में एक केमिकल फैक्ट्री में आग

सोनीपत (ईएमएस)। हरियाणा के सोनीपत के कुंडली इलाके में एक केमिकल फैक्ट्री में आग लग गई है। आग पर काबू पाने के लिए दिल्ली दमकल सेवा की भी मदद लेनी पड़ रही है।

हरियाणा के सोनीपत के कुंडली इलाके में एक केमिकल फैक्ट्री में आग लग गई है। दिल्ली दमकल सेवा ने बताया कि हरियाणा के विशेष अनुरोध पर दिल्ली दमकल सेवा ने भी अपने दमकल कर्मियों को ऑपरेशन के लिए भेजा। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

फैक्टरी में रखे मेंथॉल केमिकल के ड्रम बम की तरह से उछल कर फट रहे थे। आग लगने के बाद अंदर से करीब 100 कर्मियों का तुरंत बाहर निकाला गया। साथ ही एहतियातन आसपास की फैक्टरियों को भी खाली कराया गया।

सोनीपत के साथ ही पानीपत, करनाल व दिल्ली से करीब 30 गाड़ियों को आग पर काबू पाने के लिए लगाया गया है। रात नौ बजे तक आग पर नियंत्रण का प्रयास जारी था। पुलिस टीम फैक्टरी के आसपास से लोगों को हटाने में लगी थी। फैक्टरी की आग से आसमान में धुएं के काले गुबार छाए हुए हैं।

फैक्टरी प्रबंधन की तरफ से अभी कुछ जानकारी नहीं दी गई है। कुंडली औद्योगिक क्षेत्र स्थित अगसोन प्राइवेट फैक्टरी में पेपरमेंट बनाने का काम होता है। फैक्टरी में रविवार होने के कारण कम ही कर्मी आए थे। शाम करीब साढ़े पांच बजे फैक्टरी में अचानक से आग लग गई। जब आग लगी तक कर्मी अंदर काम कर रहे थे।

आग लगने से केमिकल के ड्रम तेज धमाके से फटने लगे तो उन्हें तुरंत बाहर निकाला गया। आग तेजी से फैल गई और विकराल रूप धारण कर लिया। आग ने कुछ देर में ही पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल विभाग की करीब 30 गाड़ी मौके पर आग पर काबू पाने में लगी है लेकिन काबू नहीं पाया जा सका है।

शिवपाल यादव ने की योगी सरकार के कार्यों की तारीफ, भाजपा में शामिल होने के सवाल का भी दिया जवाब

लखनऊ । योगी आदित्यनाथ सरकार की मुफ्त टैबलेट स्मार्टफोन योजना के तहत रविवार को इटावा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जसवंतनगर के सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव पहुंचे और भाजपा सरकार की इस योजना की तारीफ की। उन्होंने इसे छात्रों के हित में सरकार का सही कदम बताया। शिवलाल सिंह यादव ने कहा कि आज के युग में आत्मनिर्भर बनने के लिए टैबलेट और स्मार्टफोन बहुत जरूरी हो गए हैं। बिना उच्च शिक्षा के बच्चों का भविष्य उज्जवल नहीं हो सकता।

जसवंतनगर के विधायक और प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने रविवार को इटावा के जमुना बाग में स्थित आईटीआई कालेज के 101 छात्र-छात्राओं को टैबलेट का वितरण किया। कार्यक्रम में 96 छात्रों और 5 छात्राओं को सरकार की तरफ से टैबलेट दिए गए।

कार्यक्रम के दौरान विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि युवाओं को अपनी पढ़ाई में टैबलेट से काफी सहायता मिलेगी। वे इनका उपयोग अपने अध्ययन व तकनीकी ज्ञान में करेंगे और दुरुपयोग नहीं करेंगे। सरकार की यह योजना अच्छी है। उन्होंने कहा कि अब जमाना तकनीक और इंटरनेट का है। सरकार को सभी वर्गों को तकनीक से सुसज्जित करने के लिए खुलकर मदद करनी चाहिए।

कार्यक्रम के बाद पत्रकारों के भाजपा में शामिल होने के सवालों से टालते हुए उन्होंने कहा कि संगठन का काम शुरू हो चुका है। बता दें कि भाजपा में जाने की चल रही अटकलों के बीच प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के अध्यक्ष शिवपाल यादव ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए तत्काल प्रभाव से पार्टी के अपनी सभी राष्ट्रीय और प्रांतीय इकाइयों को भंग कर दिया। अब पार्टी के सभी पदाधिकारियों के पद खत्म हो गए हैं।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव की तरफ से शुक्रवार को इसके आदेश जारी कर दिए गए थे। उन्होंने आदेश में कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर के सभी प्रकोष्ठ अध्यक्ष सहित तत्काल प्रभाव से भंग किए जाते हैं। उन्होंने संपूर्ण प्रवक्ता मंडल को भी भंग कर दिया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस संबंध में नया फैसला लिया जाएगा। इसके बाद ही आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

आशीष मिश्रा की जमानत को चुनौती आज फैसला सुनाएगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट आज फैसला सुनाएगा। कोर्ट ने बीते सप्ताह मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। मिश्रा को इलाहबाद हाईकोर्ट ने 10 फरवरी को जमानत दे दी थी। उच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद खासा सियासी तनाव खड़ा हुआ था। केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष की जमानत पर शीर्ष अदालत अहम फैसला सुनाएगी। बीते सप्ताह भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनी थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोर्ट को बताया था कि 'कथित आरोप गंभीर हैं', लेकिन आरोपी के 'भागने का जोखिम नहीं है।' राज्य सरकार ने गवाह को सुरक्षा देने का भी वादा किया था। हालांकि, राज्य के इस दावे पर याचिकाकर्ता के वकीलों ने सवाल उठाए थे। 10 फरवरी को उच्च न्यायालय से आशीष को मिली जमानत का पीड़ितों के परिवार, सामाजिक कार्यकर्ता ने विरोध किया था। आरोप लगाए गए थे कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी उसे बचा रही है। आशीष की याचिका को जगजीत सिंह, पवन कश्यप और सुखविंदर सिंह ने दी थी।

यति नरसिंहानंद ने हिंदुओं से हथियार उठाने का आह्वान किया

शिमला (ईएमएस)। हरिद्वार हेट स्पीच मामले में जमानत पर रिहा यति नरसिंहानंद ने हिमाचल प्रदेश के ऊना में एक 'धार्मिक' सम्मेलन में हिंदुओं से हथियार उठाने का खुला आह्वान किया। बैठक के आयोजकों में से एक, सत्यदेव सरस्वती ने बताया कि यह एक निजी कार्यक्रम था और ठयहां प्रशासन से अनुमति लेने की कोई जरूरत नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'हम कानून में विश्वास नहीं करते...हम किसी से नहीं डरते...यहां हम सच कह रहे हैं, कोई नफरती बयान नहीं दे रहे।' जनवरी में हरिद्वार में एक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए यति नरसिंहानंद को गिरफ्तार किया गया था, इस कार्यक्रम में मुसलमानों के नरसंहार का आह्वान किया गया था। यति नरसिंहानंद को 18 फरवरी को जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

इस महीने की शुरुआत में भी यति नरसिंहानंद ने दिल्ली के बुराड़ी में मुसलमानों के खिलाफ हथियारों के इस्तेमाल के आह्वान करते हुए नफरती भाषण दिया था। पुलिस ने यति नरसिंहानंद का नाम लेते हुए एक एफआईआर दर्ज की थी, जिन्होंने कहा था कि उन्होंने कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार कर दिया था, लेकिन आयोजक ने फिर भी ठमहापंचायत सभाठ का आयोजन किया और उसमें करीब 700-800 लोग शामिल हुए।

इस बार ऊना में, साध्वी अन्नपूर्णा सहित कई उपस्थित लोगों ने नफरती भाषण दिया, जहां उन्होंने फिर मुसलमानों के खिलाफ हथियारों के इस्तेमाल का आह्वान किया। हरिद्वार मामले में दर्ज एफआईआर में साध्वी अन्नपूर्णा का नाम भी था।

मुसलमानों को समझना होगा कि धर्म कानून से बड़ा नहीं सभी हिंदू 3 मई के बाद रहें तैयारः राज ठाकरे

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे 5 जून को अयोध्या जाएंगे। साथ ही उन्होंने अपनी अगली जनसभा 1 मई को औरंगाबाद में करने का ऐलान किया है। ठाकरे ने कहा कि हम महाराष्ट्र में दंगे नहीं चाहते। नमाज अदा करने का किसी ने विरोध नहीं किया, लेकिन अगर आप इसे (मुसलमान) लाउडस्पीकर पर करेंगे तो हम भी लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करेंगे। राज ठाकरे ने कहा कि मुसलमानों को समझना चाहिए कि धर्म कानून से बड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि 3 मई के बाद, मैं देखूंगा कि क्या करना है। दिल्ली के जहांगीरपुरी की हिंसा पर ठाकरे ने कहा, ठमुझे लगता है कि इस तरह की बातों का ऐसे ही जवाब दिया जाना चाहिए, नहीं तो वो लोग नहीं समझेंगे। राज ठाकरे ने देश के तमाम हिंदू हिंदुओं से अपील की है कि वे तैयार रहें। अगर 3 मई तक मुस्लिम समाज के लोग मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटाते हैं तो हम भी उन्हें लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा लगाएंगे। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर की वजह से सिर्फ हिंदुओं को ही तकलीफ नहीं हो रही है। बल्कि इसके शिकार मुस्लिम समाज के लोग भी हो रहे हैं वहीं, शिवसेना नेता व मंत्री आदित्य ठाकरे बीजेपी को हिंदुत्व के मुद्दे पर उसी के गढ़ में जाकर जवाब देने की तैयारी में हैं। आदित्य ने शनिवार को ऐलान किया कि वह जल्द ही अयोध्या जाएंगे। वो मई महीने की शुरुआत में अयोध्या जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या दौरे को लेकर उनकी सांसद संजय राउत से बातचीत हुई है। अयोध्या दौरे को लेकर जल्द ही कार्यक्रम की घोषणा होगी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच 'सार्थक' संबंध की वकालत की

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच 'सार्थक' संबंध की वकालत की है। सूत्रों ने कहा कि शरीफ के पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनने पर मोदी द्वारा भेजे गए बधाई संदेश के जवाब में शरीफ का यह पत्र शनिवार को आया है। कुछ दिन पहले अपने पत्र में मोदी ने शरीफ से कहा था कि भारत अपने पड़ोसी पाकिस्तान के साथ संरचनात्मक संबंध का इच्छुक है।

इमरान खान को अविश्वास प्रस्ताव के जरिये अपदस्थ किये जाने के अगले दिन शरीफ को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री निर्वाचित किया गया था। पीएम मोदी ने ट्वीट करके शरीफ को बधाई दी थी और कहा था कि भारत आतंकवाद मुक्त क्षेत्र में शांति और स्थायित्व का इच्छुक है।

उनके बधाई संदेश के जवाब में शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान, भारत के साथ शांतिपूर्ण और सहयोगात्मक संबंध चाहता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, 'शुभकामनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी को धन्यवाद। पाकिस्तान, भारत के साथ शांतिपूर्ण और सहयोगात्मक संबंध का इच्छुक है। जम्मू और कश्मीर सहित बकाया विवादों का शांतिपूर्ण समाधान अपरिहार्य है। आतंकवाद से संघर्ष में पाकिस्तान का बलिदान भी जगजाहिर है। आइए शांति स्थापित करें और अपने लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान दें।'

प्राप्त सूचना के अनुसार, मोदी के पत्र के जवाब में शरीफ ने कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों के हल की अपील की है। उन्होंने यह भी कहा है कि पाकिस्तान, भारत के साथ शांतिपूर्ण और सहयोगपूर्ण संबंध का पक्षधर है। भारत यह कहता रहा है कि वह पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी की तरह रिश्ते चाहता है, लेकिन इस तरह के संबंध के लिए आतंक मुक्त माहौल बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद पर होगी।

कार्टून कोना

जन हितैषी

जन हितैषी

चौथी लहर का खतरा

एक बार फिर से भारत समेत दुनियाभर में कोरोना केस बढ़ने लगे हैं। दिल्ली, गुरुग्राम और मुंबई में कोरोना के नए मरीजों के मिलने का सिलसिला बढ़ रहा है। ऐसे में एक बार फिर कोरोना की चौथी लहर का खतरा बन गया है। देश के कुल 734 जिलों में से 29 ऐसे हैं, जहां वीकली पॉजिटिविटी रेट 5 फीसदी से ज्यादा है। इन जिलों में संक्रमण अभी बेकाबू है। इनमें से 23 में हाल और खराब है। इन 23 जिलों में पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी से ज्यादा है, जबकि 8 जिले ऐसे हैं जहां पॉजिटिविटी रेट 20 फीसदी से ज्यादा है। पॉजिटिविटी रेट का मतलब है कि हर 100 टेस्ट होने पर कितने कोरोना मरीज मिल रहे हैं। देश में अब तक 4.30 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। देश में अब तक कुल 5.21 लाख मौतें हो चुकी हैं। एक्टिव केस की संख्या भी बढ़ कर 11 हजार से ज्यादा हो गई है। यह वाकई राहत की बात है। दो साल बाद पहली बार हम सामान्य स्थिति में आ पाए हैं। लेकिन इसका यह मतलब भी निकालना सही नहीं होगा कि महामारी चली गई है। सच तो यह है कि खतरा बरकरार है। चिंता की बात ज्यादा इसलिए भी है कि कई जिलों में हालात अभी भी गंभीर हैं। पिछले दो साल में देश महामारी की तीन लहरें देख चुका है। दूसरी लहर के दौरान भारत दुनिया के उन देशों में शामिल था, जहां संक्रमण से सबसे ज्यादा तबाही हुई। अमेरिका और ब्राजील के बाद सबसे ज्यादा लोग भारत में मरे। हालांकि तीसरी लहर में कहर इसलिए ज्यादा नहीं बरपा कि आबादी के बड़े हिस्से को टीका लग चुका था और पिछली गलतियों से सरकारों और लोगों ने सबक भी लिए। इसलिए ज्यादा मौतें नहीं हुईं। पर अब चौथी लहर की बात हो रही है। हालांकि विशेषज्ञ चौथी लहर को लेकर बहुत चिंतित नहीं हैं। भारत के ज्यादातर राज्यों में टीकाकरण का काम तेजी से चल रहा है। लेकिन अब एक मुश्किल यह है कि जिन लोगों ने एक साल पहले टीके लगवाए थे, उनका असर अब कितना रह गया होगा, कोई नहीं जानता। ऐसे में अगर प्रतिरोधक क्षमता कम पड़ने लगी तो फिर से लोग संक्रमण के शिकार हो सकते हैं। यह बड़ा खतरा है। दुनिया के कुछ देशों में एक बार फिर से बिगड़ते हालात डराने वाले हैं। चीन में फिर से कोरोना संक्रमण फैल रहा है और कुछ शहरों में लॉकडाउन भी है। फ्रांस, इटली और जर्मनी में भी पिछले हफ्ते जिस तेजी से लाखों मामले अचानक आ गए, उससे लगने लगा कि कहीं पहले जैसे हालात तो नहीं बन रहे! दक्षिण कोरिया और हांगकांग में भी स्थिति विस्फोटक है। अभी भी पूरी दुनिया में संक्रमण के कुल मामलों में इकतालीस फीसद मामले एशिया से हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एशिया में एक बार फिर संक्रमण फैलने का खतरा बताया है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी अब सामान्य दिनों की तरह शुरू हो गई हैं। इसलिए खतरा कहीं ज्यादा है। केंद्र और राज्य सरकारें इस महामारी से निपटने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं, इसका प्रमाण केवल यही नहीं है कि वे लगातार आवश्यक आदेश-निर्देश जारी कर रही हैं, बल्कि यह भी है कि उन पर अमल के लिए तत्परता भी दिखा रही हैं। इसके बावजूद यदि कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है तो इसका मतलब यही है कि संकट बड़ा है। यह तो तय है कि इस संकट से पार पाने के लिए आगे और भी कदम उठाने पड़ सकते हैं। ऐसे कठिन समय में यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि सरकारों और साथ ही स्थानीय प्रशासन की ओर से जो भी सुझाव दिए जा रहे हैं, उनका पालन पूरी गंभीरता के साथ किया जाए। चूंकि संकट बड़ा है, इसलिए आम जनता को यह समझना ही होगा कि किसी भी तरह की लापरवाही के लिए कहीं कोई गुंजाइश नहीं है। यह सही समय है कि हर कोई अपनी जिम्मेदारी समझे और खुद जागरूक होने के साथ ही औरों को भी जागरूक करे। साफ-सफाई और सेहत को लेकर अतिरिक्त सतर्कता दिखाने के साथ ही संयम एवं अनुशासन का भी परिचय देने की आवश्यकता है। जब स्वास्थ्य तंत्र को समर्थ बनाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हों, तब नागरिक के तौर पर हम सबको अपनी जिम्मेदारी का परिचय देने के लिए तत्परता दिखानी चाहिए। इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि किसी से कहीं कोई गफलत न होने पाए, क्योंकि कोरोना संक्रमित एक अकेले शख्स की लापरवाही सैकड़ों लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल सकती है। यह राष्ट्रीय संकल्प बनना चाहिए कि ऐसा नहीं होने देना है और देश को उस तीसरे दौर में नहीं जाने देना है, जहां संक्रमण बेलगाम-सा हो जाता है। यदि कोरोना संक्रमण का सिलसिला बेकाबू हुआ तो यह संकट कहीं अधिक गंभीर हो सकता है और तब लोगों को और अधिक पाबंदियों के साथ मुश्किलों का सामना करना होगा। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण का सामना शासन-प्रशासन से सहयोग करके ही किया जा सकता है। संकट की इस घड़ी में हर किसी को इसके लिए भी सक्रिय होना चाहिए कि हम सबका सामाजिक व्यवहार बदले। यदि सभी लोग सतर्क रहें और साथ ही हौसला भी बनाए रखें तो इस संकट से पार पाया जा सकता है।

शोक ही नही, लुत्फ के लिए भी है रुड़की का कब्रिस्तान !

कब्रों के बीच बैठ कर चाय पीने का लुत्फ भी उठाते है लोग, गुजरात के अहमदाबाद में 'द न्यू लकी रेस्टोरेंट' ऐसा ही एक रेस्टोरेंट है जो कब्रों के बीच बना हुआ है।यहां लोग दूर-दूर से चाय की चुस्की का आनंद उठाने आते हैं। लगभग पांच दशक पुराने इस 'रेस्टोरेंट' में शुरुआत के समय सिर्फ चाय मिलती थी।लोग कब्रों के आस-पास बैठकर आराम से चाय पी लिया करते थे। समय ने करवट ली और यह चाय की छोटी सी दुकान अहमदाबाद का प्रसिद्ध 'द न्यू लकी रेस्टोरेंट' बन गया है। इस रेस्टोरेंट के आसपास कुल 26 कब्रें हैं, जिनका ख्याल रेस्टोरेंट स्टाफ खुद रखता है। मशहूर पेंटर एमएफ हुसैन भी इस रेस्टोरेंट के मुरीद हुआ करते थे और अक्सर यहां चाय पीने आया करते थे। उन्हें यह जगह इतनी पसंद थी कि वह यहां बैठकर उन्होंने कई पेंटिंग्स भी बनाईं, जिनमें से कुछ पेंटिंग्स उन्होंने रेस्टोरेंट को बतौर तोहफे में दी। इसी श्रंखला में मसूरी का कैमल्स बैक कब्रिस्तान अपनी प्राकृतिक सुन्दरता के लिए जाना जाता है। अनेक अंग्रेज व्यवसायी व अधिकारी इस कब्रिस्तान में दफन हैं।जिनमे जॉन मैकिनान का नाम सबसे आगे है। मैकिनॉन आयरलैण्ड में 12 जनवरी सन् 1806 को पैदा हुए थे और लगभग 23 वर्ष की आयु में मसूरी आ गए थे। मसूरी के आधुनिक स्वरूप में उनका अहम योगदान है। उन्हें सब लोग 'मक्खन साहब' कहते थे। 29 जून सन 1970 को उनकी मृत्यु हो गई।उनकी समाधि इसी कब्रिस्तान में आकर्षण का केंद्र है। बंगाल आर्मी इंजीनियरिंग ग्रुप के लैटिनेंट कर्नल एच.फिशर मसूरी में निवास करते थे। 12 अगस्त सन1859 में उनके देहान्त के बाद उन्हें कैमल्स बैक कब्रिस्तान में दफन किया गया था। प्रेम के प्रतीक इस कब्रिस्तान में इस स्थान की खासियत है कि नीचे जमीन से ऊपर पहाड़ी को देखने से ऊंट की आकृति नजर आती है। इसीलिए इस स्थान को केमल्स बैक रोड कब्रिस्तान भी कहते हैं।

इंजीनियर नगरी रुड़की में अंग्रेजों का कब्रिस्तान जो सन 1860 में बना था, को राष्ट्रीय स्मारक के रूप में चुना गया जिसका 1920 में नोटिफिकेशन हुआ।जिसके बाद इसे राष्ट्रीय संरक्षित स्मारक का दर्जा दिया गया है। प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्व अवशेष अधिनियम 2010 तक के तहत संरक्षित क्षेत्र की सभी दिशाओं से 200 मीटर की दूरी पर बिना अनुमति के कोई निर्माण कार्य नहीं हो सकता है।केवल सन 1992 से पूर्व निर्मित भवनों की ही मरम्मत आदि का प्रावधान है।अगर आपको कब्रिस्तान की शानाओशोकत देखनी है तो एक बार रुड़की के कब्रिस्तान में जरूर आइए। यहां आपको कई ऐसे स्मारक मिलेंगे, जिन्हें देखकर आपका मन खुश होगा। यहां आने पर कतई महसूस नहीं होता कि हम कब्रिस्तान में हैं, क्योंकि यह कब्रिस्तान पार्क जैसा ही नजर आता है। रुड़की शहर में गंग नहर के किनारे बने इस कब्रिस्तान क्षेत्र में एक हजार से अधिक छोटी बड़ी कब्र हैं। इनमें से कुछ कब्र ऐसी है जो दफन दिवंगतों के कारण आज भी भूलाए नहीं भूलती।यहां दफन कब्रो में से एक कब्र अंग्रेज ब्रिगेडियर की बेटी मोना की है ,जिसकी अल्पायु में 23 अप्रैल, 1919 में मृत्यु हो गई थी। उसकी कब्र को स्मारक के रूप में संजोया गया है। इसी तरह फ्लोरेंस मैरी, जिनकी मौत 18 दिसंबर,सन 1907 को मात्र 16 साल की उम्र में हो गई थी। इस स्मारक को देखते ही आंखें नम हो जाती हैं। इनके कई कब्रों को स्मारक का रूप दिया गया है।

इस कब्रिस्तान में उन ब्रिटिश अधिकारियों की भी कब्र हैं, जिनकी अंग्रेजी हुकूमत में तूती बोलती थी। इसमें से एक कब्र ब्रिगेडियर रॉयल इंजीनियर्स जेआर चिस्टनी की है, जो मात्र 36 साल की उम्र में ही दुनिया को अलविदा कर गए थे। इसी तरह लेफ्टिनेंट जनरल सर हेराल्ड विलियम, जो कि रॉयल इंजीनियर्स में रहते हुए दुनिया को छोड़ कर चले गए थे। उनकी कब्र को भव्य स्मारक का रूप दिया गया है और ये कब्रिस्तान का आकर्षण भी है।अंग्रेजों के समय महत्वपूर्ण छावनी रही उत्तर प्रदेश के मेरठ में आज भी उस वक्त के निशान मौजूद हैं। विद्रोहियों का गढ़ रहा काली पलटन मंदिर और यहां का कब्रिस्तान जिसमें अंग्रेजों की कब्रें हैं।आजादी के पूर्व के इतिहास की साक्षी है। मेरठ में अंग्रेजों की कब्रों वाले दो कब्रिस्तान हैं। ये हैं सेंट जॉन्स और पुराना कब्रिस्तान।जिनका ऐतिहासिक महत्व है।

सेंट जॉन्स कब्रिस्तान मेरठ का एक पवित्र कब्रगाह माना जाता है।इसी कारण यहां काफी समय से दूरदराज से मृतकों को लाकर दफनाया जाता रहा है। यहां स्थित सबसे पुरानी कब्र सन 1810 की है। यह कब्रिस्तान आज भी प्रयोग में है। यहां पर आम नागरिकों के अलावा फौजी सिपाहियों तथा अफसरों की भी कब्रें भी मौजूद हैं।यहां 10 मई 1857 की क्रांति में मारे गए लोगों में से नौ लोगो की कब्रें आज भी देखी जा सकती हैं। इसके अलावा यहां कई सुंदर कलाकृतियां तथा शिलालेख भी मौजूद हैं,जो बीते जमाने के इतिहास को दर्शाते हैं। इसके अलावा एक और पुराना कब्रिस्तान है, जिसमें अंग्रेजों की कब्रें बनी हुई हैं। यह मेरठ का सबसे पुराना कब्रिस्तान है। यहां की कब्रों में से दो पर शिलालेख लगे हैं, जो सन् 1808 तथा 1810 ई. में स्थापित किए गए हैं।

यह कब्रिस्तान 23 एकड़ क्षेत्र फल में फैला हुआ है। कुछ इसाई परिवार और संगठन इस कब्रिस्तान की देखरेख करते हैं। पहले यहां इसाइयों की संख्या काफी थी, तब इसके रखरखाव में कोई परेशानी नहीं आती थी। सभी पैसा जमा करते थे, पर अब हालात बदल गए हैं। यहां के बहुत से इसाई परिवार नौकरी की तलाश में मेरठ छोड़कर बाहर शिफ्ट हो गए। लिहाजा रखरखाव के लिए अब पैसे की किल्लत होती है।अंग्रेजों के वंशज आज भी अपने पूर्वजों की कब्रें देखने आते हैं। सात समंदर पार करके आने वाले अंग्रेजों के लिए मेरठ व रुड़की का कब्रिस्तान खास महत्व रखते हैं।क्योंकि अंग्रेजी हुकूमत के समय के महान इंजीनियर और वास्तुविद अपने हुनर का प्रदर्शन करने के बाद दुनिया से रुख्सत हुए थे। इनमें से अधिकांश की कब्रगाहें रुड़की या फिर मेरठ के कब्रिस्तान में आज भी उनके नाम की गवाही दे रही है।बेहतरीन नक्काशी, कलाकारी और डिजाइनिंग के लिए जाने जानी वाली इन कब्रगाहों पर खोदे गए गॉड का समर्पित स्लोगन हर किसी को आकर्षित करता हैं। इसी के चलते ये कब्रिस्तान देश के राष्ट्रीय स्मारकों में शुमार हो गए है।कुछ वर्ष पहले इंग्लैंड की शीला सैडविक आईआईटी रुड़की पहुंची थीं।तत्कालीन संस्थान निदेशक प्रो. प्रदीप्त बनर्जी से सैडविक ने अपने ग्रैंड फादर फ्रैडरिक विलियम्स सैडविक के बारे में पूछा था। फैडरिक विलियम्स रुड़की थॉमसन इंजीनियरिंग कालेज में इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट के प्रोफेसर थे। सन 1920 में उनकी मृत्यु हुई। जिनकी कब्र इस अंग्रेजों के कब्रिस्तान में मौजूद है। शीला सैडविक ने वहां पहुंचकर ग्रैंड फादर की कब्र को देखा तो रो पड़ी। वही अंग्रेजों ने जयपुर में मॉजी का बाग महल को निवास बनाकर ईसाई परंपरा के मुताबिक रेजीडेंसी परिसर में कब्रिस्तान बनवाया था। इसमें सबसे पहले 4 जून 1835 को अंग्रेज अधिकारी मार्टिन ब्लैक के शव को दफनाया गया ।

सन 6 फरवरी 1835 को सिटी पैलेस के महल में महाराजा जयसिंह तृतीय की हत्या के बाद बेटे रामसिंह को गद्दी पर बिठाया गया। इस पर राजमाता चंद्रावत को सांत्वना देने कर्नल आल्विस दो सहायकों मार्टिन ब्लैक व मैकनेटन के साथ सिटी पैलेस आए थे। तीनों जब महल से बाहर निकले तो जयसिंह तृतीय की हत्या में शामिल षडयंत्रकारियों ने यह अफवाह फैला दी कि सिटी पैलेस में आए तीनों अंग्रेजों ने महाराजा रामसिंह की हत्या कर दी है। इस पर एक सैनिक ने आल्विस पर तलवार से प्रहार किया। घटना में घायल आल्विस व मैकनेटन तो पालकी में बैठ रेजीडेंसी चले गए। पीछे रहा मॉर्टिन ब्लैक हाथी पर सवार हो किशनपोल बाजार आया तो वहां खड़े आक्रोशित लोगों ने उस पर पत्थरों की बौछार कर दी। महावत ने हाथी को दौड़ाया भी, लेकिन अजमेरी गेट के मुख्य प्रहरी हिदायतुल्ला ने दरवाजा बंद कर दिया। जान बचाने के लिए ब्लैक हर्ष बिहारी मंदिर की तरफ जाने लगा, तब लोग उसे घसीट कर सड़क पर ले आए और उसकी निर्मम हत्या कर दी।

हमले में ब्लैक का छड़ीबरदार, महावत व चपरासी भी मारे गए। घटना स्थल पर पहुंचे सामोद के रावल बैरीसाल सिंह ने ब्लैक की हत्या के आरोप में पांच लोगों को मंदिर के बाहर सरेआम फांसी पर चढ़ा दिया था। मौत की सजा सुनने के बाद झूथाराम ने दौसा किले व हुकम चंद ने जयपुर जेल में दम तोड़ दिया था। मार्टिन ब्लैक के बाद 29 सितंबर 1846 को सर्जन जोसफ हैलिस व कर्नल जेसी ब्रुक की पत्नी ऐमा ब्रुक को रेजीडेंसी कब्रिस्तान में दफनाया गया। 4 फरवरी 1862 को अंग्रेज हेमलटन की पत्नी एलाइस की पुत्री एवं 9 महीने की लड़की चारलॉट कैथरिन की कब्र जयपुर के कब्रिस्तान में बनाई गई।यानि कब्र के रूप में आज भी रुड़की,मेरठ,जयपुर समेत देश के अन्य कई शहरों में भी अंग्रेजों की कब्र उनके बीते जमाने के वजूद की साक्षी है।अमेरिका में भी मीनल कब्रिस्तान सन 1878 में स्थापित किया गया था । यह कब्रिस्तान अब टोंटो राष्ट्रीय वन के अधिकार क्षेत्र में है। यह सन 1979 के पुरातत्व संसाधन संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत संरक्षित है।अब इसे भूतों का शहर भी कहा जाता है।सन 1916 तक इस कब्रिस्तान का उपयोग किया जाता रहा।वही इटली के सिसली नगर में एक ऐसा कब्रिस्तान है जहां शवों को दफनाया नहीं जाता , बल्कि उनकी ममी बनाकर दीवारों पर टांग दिया जाता है।शवों पर ऐसे रासायनिक पदार्थ लगाये है। जिसके कारण शव नतो खराब होते हैं और न ही उनमे से दुर्गंध आती हैं।सबसे पहले सन1599 में ब्रदर सिल्वेस्ट्रो ऑफ गूबियो की ममी बनाने का यह सिलसिला शुरू हुआ । इस कब्रिस्तान तक पहुंचने का रास्ता भी बहुत डरावना है।एक अंधेरे रास्ते से होकर सीढ़िया इस कब्रिस्तान तक पहुंचाती हैं। कब्रिस्तान के दरवाजे पर साफ तौर पर लिखा है कि यहां आने वाले, अपनी सभी उम्मीदें छोड़ दें जिसे पढ़कर लोग डर के मारे वापिस जाने का विचार भी बना लेते हैं। कब्रिस्तान के भीतर सैकड़ों शव दीवारों पर टंगे हैं। इस कब्रिस्तान में शवों को उनके सामाजिक दर्जे और स्थान के आधार पर सुसज्जित है। जो तत्कालीन समाज में व्याप्त सामाजिक और जातिगत भेदभावों की ओर संकेत करता है।सबसे पहला स्थान इस कब्रिस्तान की स्थापना करने वाले संतों को दिया गया है।संतों के बाद पुरुषों की श्रेणी रखी गई है। सभी पुरुषों के शवों को उनके जमाने के कपड़े पहनाये गए हैं। इसके बाद महिलाओं के शवों का सेक्शन है, जिसमें कुंवारी कन्याओं की पहचान के लिए उनके सिर पर धातु से बना बैंड पहनाया गया है।यहां प्रोफेसर, डॉक्टर्स और सैनिकों के शवों के सेक्शन भी अलग अलग हैं।है न दिलचस्प किस्से इन हैरतअंगेज कब्रिस्तानों के।

(लेखक- - डॉ. श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

खेल - समाचार

भुवनेश्वर पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

मुम्बई (ईएमएस)। सनराईजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में रविवार को हुए मुकाबले के पावरप्ले में पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन को आउट करने के साथ ही एक अहम रिकॉर्ड अपने नाम किया है। भुवनेश्वर इसी के साथ ही आईपीएल के पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकार्ड जहीर खान और संदीप शर्मा के नाम था।

आईपीएल पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में भुवनेश्वर अब शीर्ष पर पहुंच गये हैं। भुवनेश्वर के नाम अब आईपीएल पावरप्ले में 54 विकेट हो गए। इस मामले में दूसरे स्थान पर संदीप शर्मा हैं जिनके नाम पावरप्ले में 53 विकेट हैं जबकि जहीर के नाम 52 विकेट हैं और वह तीसरे स्थान पर हैं।

भुवनेश्वर ने पंजाब के खिलाफ 4 ओवरों में 5.5 की इकॉनमी से 22 रन दिए देते हुए 3 विकेट लिए।

30 अगस्त से शुरु होगा सीपीएल , तीन महिला टीमें भी उतरेंगी

पोर्ट ऑफ स्पेन (ईएमएस)। क्रिकेट वेस्ट इंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कहा है कि कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में पहली बार पुरुषों के साथ ही महिला क्रिकेटरों के लिए भी एक टूर्नामेंट रखा गया है। इस बार तीन टीमें महिला सीपीएल (डब्ल्यूसीपीएल) के पहले संस्करण में खिताब के लिए उतरेंगी। ये तीन महिला टीमें बारबाडोस रॉयल्स, गुयाना अमेजन वारियर्स और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स हैं। इनके मुकाबले भी 30 अगस्त से 30 सितंबर के बीच पुरुषों के टूर्नामेंट के दौरान ही खेले जाएंगे। सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष रिकी स्केरिट ने कहा कि महिला टीमों का मुकाबला इसलिए रखा गया है ताकि वेस्ट इंडीज की महिलाओं और लड़कियों को क्रिकेट में आने के अधिक अवसर मिल सकें। साथ ही कहा कि सभी सीपीएल महिला मैच प्रतिस्पर्धी होंगे जिससे दर्शकों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा।

सीपीएल के सीईओ सेंट पीट रसेल ने कहा कि सीपीएल में एक महिला आयोजन को शामिल करना एक ऐसी चीज है जो लंबे समय से एक महत्वाकांक्षा रही है और हमें बहुत खुशी है कि यह एक वास्तविकता बन गई है। हम इसे सच बनाने के लिए हमारे साथ काम करने के लिए सीडब्ल्यूआई को धन्यवाद देना चाहते हैं। 2019 सीपीएल के दौरान हुआ महिला टी-10 चैलेंज टूर्नामेंट एक बड़ी सफलता थी। अब हम अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं।

एमएमए फाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान है ऋतु

नई दिल्ली (ईएमएस)। महिला पहलवान ऋतु फोगाट ने कुश्ती छोड़कर मिक्स मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में आकर सबको हैरान कर दिया था। हालांकि अब समय के साथ ही उनका ये फैसला सही नजर आता है। ऋतु एमएमए के फाइनल तक पहुंचने वाली भारत की पहली महिला पहलवान हैं। मिक्स मार्शल आर्ट्स में उनका अब तक का सफर शानदार रहा है। एमएमए में भी उन्होंने 9 बाउट में से सात जीते हैं। ऋतु का कहना है कि वह इस खेल में देश को नई पहचान दिलाना चाहती हैं.

ऋतु ने अपने करियर की शुरुआत कुश्ती से की थी। उन्होंने साल 2017 तक कई पहलवानों को परास्त किया। साल 2019 में ऋतु ने कुश्ती छोड़कर एमएमए की ओर रुख किया। विश्व में ऐसी कुछ ही महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने एक खेल छोड़ने के बाद दूसरे गेम में किस्मत आजमाई है। ऋतु भी ऐसी ही हैं जिन्होंने पहले कुश्ती में शुरुआत करते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाई।

ऋतु ने फरवरी 2019 में एमएमए में प्रवेश किया। इसी साल उन्होंने वन चैंपियनशिप में अपना पहला मुकाबला खेला। वह इस प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंची। साल 2016 में ऋतु ने सिंगापुर में आयोजित कॉमवेल्थ रेसलिंग चैंपियनशिप में 48 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उनकी सफलता का सफर यहीं नहीं रुका और साल 2017 में नई दिल्ली में एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने कांस्य पदक हासिल किया। इसी साल पोलैंड में आयोजित विश्व अंडर 23 चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। वहीं, दो साल बाद फरवरी 2019 में उन्होंने कुश्ती को छोड़ दिया।

रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में आज जीत की लय हासिल करने उतरेगी केकेआर

मुंबई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना चाहेंगी। राजस्थान रॉयल्य की टीम ने अब तक खेले पांच मैचों में तीन जीते हैं जबकि दो में उसे हार मिली है। इस प्रकार 6 अंक लेकर वह चौथे स्थान पर है। वहीं केकेआर के छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ ही 6 अंक है और वह अंक तालिका में छठे स्थान पर है। केकेआर को शुरुआती जीत के बाद पिछले दो मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। एक अन्य मैच में उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ भी हार का सामना करना पड़ा था।

केकेआर ने शुरुआती चार में तीन मैच जीतकर सत्र की अच्छी शुरुआत की थी पर इसके बाद टीम को लगातार दो हार से झटका लगा है। ऐसे में जीत की राह पर लौटने के लिए टीम को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार करना होगा। आंद्रे रसेल को छोड़कर केकेआर का कोई भी बल्लेबाज लगातार रन नहीं बना पाया है जो टीम के लिए चिन्ता का कारण है। ऐसे में अगर उसे राजस्थान के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो अन्य खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रसेल ने केकेआर की ओर से अब तक छह मैचों में सबसे ज्यादा 179 रन बनाये हैं और टीम को उनसे इस मैच में भी इसी प्रकार के खेल की उम्मीद रहेगी। उसके कप्तान श्रेयस अय्यर भी छह मैचों में एक अर्धशतक के साथ कुल 151 रन ही बना पाये है। उनके अलावा नितीश राणा और ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर भी लगातार रन नहीं बना पाये हैं।

राहुल पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

मुंबई (ईएमएस)। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगा है। यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ राहुल ने शानदार शतक लगाकर टीम को 18 रनों से जीत दिलायी थी पर जुर्माना लगने से उनका मजा किरकिरा हो गया। आईपीएल से जारी बयान एक बयान के अनुसार लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुंबई इंडियन्स के खिलाफ मुकाबलें में धीमी ओवर गति से गेंदबाजी की। इसी कारण कप्तान पर यह जुर्माना लगा है। आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से जुड़ा पहला मामला है , इसलिए कप्तान राहुल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

पाक में बदहाली झेल रहा खेल जगत

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान में खेल जगह आर्थिक संकट में फंसता जा रहा है। इस कारण खेल संगठन लाचार हैं और कोच , ट्रेनर भी बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। खिलाड़ियों के पास न तो अभ्यास के लिए क्लब हैं और न ही किसी प्रकार की अन्य सुविधाएं। ऐसा ही एक मामला जिम्नास्टिक का सामना आया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार जिम्नास्टिक क्लबों की बदहाली को देखकर आप हालातों का अंदाजा लगा सकते हैं। यहां खिलाड़ी स्ट्रीट लाइट की रौशनी में गद्दे पर जिम्नास्टिक का अभ्यास करते देखे जा सकते हैं। ये खिलाड़ी लियाकत खान के मुजाहिद मेमोरियल जिम्नास्टिक क्लब से जुड़े हैं। कभी अच्छे क्लबों में शामिल रहे इस क्लब के पास अब न बिजली है और न पानी है और न ही कोई अन्य सुविधा। यहां तक की क्लब का फर्श तक टूटा हुआ है। इसमें अब भी उपकरण नहीं बचा। जो थे वह चोरी हो गये। क्लब को किसी प्रकार की कोई सरकारी सहायता तक नहीं मिलती है हालांकि इसके बाद भी यहां अभ्यास के लिए आने वालों की कमी नहीं हैं। यहा हाल फुटबॉल ,बैडमिंटन सहित अन्य क्लबों का भी है।

मयंक चोटिल , धवन बने पंजाब किंग्स के कप्तान

मुम्बई (ईएमएस)। पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल के चोटिल होने के कारण सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले के लिए अनुभवी शिखर धवन को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। मयंक टॉस के लिए भी मैदान में नहीं आए। और उनकी जगह धवन ने टीम की कप्तानी की।

धवन ने टॉस के बाद कहा कि मयंक के पैर के अंगूठे में चोट लगी है। वह अगले मैच तक ठीक हो जाएगा। इसलिए टीम में एक बदलाव के तहत मयंक की जगह प्रभसिमरन सिंह को शामिल किया गया है।

धवन ने साथ ही कहा कि हम किसी एक पर निर्भर हुए बिना अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, हमारा प्रयास इस मैच में भी एक इकाई के रूप में अच्छा खेलना जारी रखना रहेगा। हम इस मैच में अच्छी गेंदबाजी का भी प्रयास करेंगे।

दैनिक पंचांग

18 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2022 वर्ष का 108 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण **तिथि** द्वितीया 19.24 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 03.39 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सिद्धि (असुक) 20.23 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 08.45 बजे तदनन्तर गर 19.24 बजे को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय		
सूर्य	मेष में	मेष	05.25 बजे से	**रवि क्रान्ति** उत्तर 10° 45'
चंद्र	तुला में	वृष	07.09 बजे से	**सूर्य** उत्तरायन
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.07 बजे से	**कलि अहर्गण** 1871222
बुध	मेष में	कर्क	11.20 बजे से	**जूलियन दिन** 2459687.5
गुरु	मीन में	सिंह	13.37 बजे से	**कलियुग संवत्** 5123
शुक्र	कुंभ में	कन्या	15.49 बजे से	**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
शनि	मकर में	तुला	17.59 बजे से	**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
राहु	मेष में	वृश्चिक	20.14 ब.से	**वीरनिर्वाण संवत्** 2548
केतु	तुला में	धनु	22.30 बजे से	**हिजरी सन्** 1443
राहुकाल		मकर	00.35 बजे से	**महीना** रमजान
7.30 से 9.00		कुंभ	02.22 बजे से	**तारीख** 16
बजे तक		मीन	03.54 बजे से	**विशेष** प्रदोष व्रत।

चन्द्रायु 16.7 घण्टे

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास 18 अप्रैल

- 1612 शाहजहां ने मुमताज से निकाह किया.
- 1774 माधवराव द्वितीय को पेशवा गद्दी पर बैठाया गया.
- 1859 तात्या टोपे को फांसी दी गयी.
- 1859 दो अंग्रेजों कैंड और ऐयरेस्ट की हत्या के सिलसिले में दामोदर हरि चापेकर को फांसी की सजा दी गयी.
- 1906 सैन फ्रांसिस्को,अमेरिका में भूकम्प के पश्चात लगी आग में 4 वर्ग मील क्षेत्र जलकर नष्ट जिसमें 700 लोगों की मृत्यु, लगभग 300 मिलियन डॉलर की सम्पति नष्ट.
- 1930 इंडियन रिपब्लिकन आर्मी के 62 सदस्यों ने सूर्यसेन के नेतृत्व में चटगांव शस्त्रागार पर हमला किया.
- 1938 हिन्दी के जानेमाने साहित्यकार महावीर प्रसाद द्विवेदी का निधन हुआ.
- 1942 अमेरिकी विमानों ने द्वितीय विश्व युद्ध में टोकियो और अन्य जापानी शहरों पर बमबारी की.
- 1971 भारत का पहला जम्बो जेट 'इम्परर अशोक' मुम्बई आया.
- 1986 लीबिया पर हमले के विरोध में दुनिया भर में अमेरिकी दूतावास के बाहर प्रदर्शन हुए.
- 2001 मेघालय से सटी बांग्लादेश की सीमा पर बांग्लादेश राइफल्स द्वारा की गई गोलीबारी में सीमा सुरक्षा बल के 16 जवान मारे गये.

अपार पुरातत्व संपदा का धनी मध्यप्रदेश

(18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस पर विशेष)

सांची घूमना हो या घूमना हो खजुराहों, आपको आना ही पड़ेगा देश के हदय स्थल मध्यप्रदेश में। एक बड़े भूभाग में फैले मध्यप्रदेश के चारों तरफ पुरातत्व महत्व का ऐसा बिछौना है जो यहाँ की शान है। सांची और खजुराहो विश्व के मूल्यवान पुरातत्व धरोहरों में गिने जाते हैं। अकूत पुरा सम्पदा से सम्पन्न मध्यप्रदेश के झाबुआ से लेकर मंडला तक जिधर नजर घुमाएंगे,उधर आपको देखने को मिल जाएगा। मध्यप्रदेश सभी .ष्टि से सम्पन्न और विविधता वाला राज्य है। देश में यह अपनी तरह का इकलौता प्रदेश है जहाँ बने दर्शनीय स्थल पर्यटकों को अपने पास बुलाते हैं, तो मंडला से झाबुआ तक पुरातत्व की इमारतें लोगों को मोहित करती हैं।

एक ओर जहाँ पुरातात्विकधरोहर भारतीय संस्.ति दर्शाते हैं वहीं अन्य ऐतिहासिक स्थल विश्व पटल पर प्रसिद्धि पा चुके हैं। आलम यह है कि इन स्थलों की एक झलक पाने के लिये विदेशी पर्यटक चुम्बक की तरह खिंचे चले आते हैं। यहाँ बताते चलें कि विदेशी पर्यटकों के आकर्षण के प्रमुख केन्द्र बिन्दु खजुराहो के कलात्मक मंदिर तथा धार्मिक स्थल ओरछा हैं। यह हमारे लिये गौरव की बात है कि विश्व की मूल्यवान पुरातत्व धरोहरों में भारत के जो सोलह स्मारक हैं उनमें से दो साँची और खजुराहों मध्यप्रदेश में ही हैं। यह स्मारक विश्व भर में अपनी वैभवता तथा प्राचीनता के लिये जाने जाते हैं। इनके अलावा भी प्रदेश में अनेक ऐसे पुरातन स्थल मौजूद हैं जिनकी भव्यता देखते ही बनती है। कुछ तो अपना अस्तित्व ही खोने की कगार पर हैं वहीं कई स्थल सरकार की गहन निगरानी तथा देखरेख में हैं। इन स्थलों में समय- समय पर सुधार तथा मरम्मत का काम चलता रहता है। 1953 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का केन्द्र बनने और विश्व में प्रसिद्धि प्राप्त करने वाले खजुराहो के संरक्षण तथा विकास के लिये सर्वप्रथम सन् 1904 में काम शुरू हुआ था। खजुराहों के मंदिरों की खोज, जीर्णोद्वार संरक्षण आदि के लिये सन् 1927 तक काम चला था। अनेक मंदिर जो टूट-फूटकर नष्ट हो चुके थे, सैकड़ों मूर्तियाँ जमीन में दबी हुयीं बिखरी पड़ी थीं, उन्हें पुरातत्ववेत्ताओं ने व्यवस्थित कर पुनः मंदिरों के अंदर स्थापित किया। सन् 1950 दशक में चंदेल शासकों ने ही यहां भव्य मंदिरों का निर्माण कराया था। मंदिरों की कारीगरी को देखकर आभास होता है कि इस स्थापत्य कला ने जीवन तथा प्रेम का सामंजस्य बेजान पत्थरों के द्वारा लोगों को उपहारस्वरूप दिया है। किंवदंती है कि लगभग एक हजार साल पहले चंदेल के राजपूत राजाओं ने खजुराहों में लगभग 85 मंदिरों का निर्माण करवाया था। इनमें से अब केवल 22 मंदिर ही सुरक्षित हैं।

खजुराहो की ही तरह साँची पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक .ष्टि से प्रमुखता पा चुका हैं। साँची एक ऐसा प्राचीन और दार्शनिक स्थल है जिसके कारण विश्व के कई देशों में मध्यप्रदेश को पहचान मिली और इसे देखने पर्यटक यहाँ आते रहे। साँची के बौद्ध स्तूप विशेषतः दर्शनीय हैं। पर्यटक इन्हें देखकर उत्साहित होते हैं तथा इनके चित्र यादगार के रूप में अपने साथ ले जाते हैं। साँची के बौद्ध स्तूपों की देखभाल प्रमुखता से की जाती है। प्रयास किया जाता है कि देश तथा विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। सांची दो देशों को जोड़ने वाला एक प्रमुख स्थान है। पर्यटन तथा तीर्थ स्थल ओरछा एक छोटा सा गांव हैं परन्तु उसकी ऐतिहासिक कीर्ति-किंवदंतियों का कोई ओर-छोर नहीं है। शायद यही कारण है कि खजुराहों और साँची के बाद विदेशी पर्यटकों की पसंद ओरछा है। प्राप्त संदर्भों के अनुसार चार शताब्दियों तक यहाँ के प्रतापी राजवंश का डंका मध्य भारत में बजता रहा था। शक्ति, संपदा,कला और गरिमामय वैभवशाली स्वरूप लिये हुए यह नगर इतिहास की करवट से खंडहरों में बदल गया था लेकिन वही ओरछा आज पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ओरछा के शेष बचे महल और मंदिर अपने इतिहास, कला तथा शिल्प सौंदर्य से दर्शनों के लिये मौजूद हैं।

अपने गौरवशाली अतीत को उजागर करने वाला मध्यप्रदेश का एक अन्य जिला मंदसौर में स्थित है हिंगलाजगढ़। वहाँ का पुरातात्विक वैभव लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। हिंगलाजगढ़ में परमारकालीन शिल्प कला.तियों का अद्भुत सौंदर्यशाली खजाना बिखरा पड़ा था। यहां के अवशेषों पर कलात्मक मूर्तियों के विशाल भण्डार से यह स्पष्ट है कि कभी यह वैभवशाली नगर रहा होगा। कला का इतना विशाल खजाना शताब्दियों तक घने जंगलों के बीच छिपा रहा और सन् 1978 में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के प्रयासों से इन्हें खोज निकाला गया। तभी से इन्हें संरक्षित तथा सुरक्षित रखा गया है। शिवपुरी जिले के पिपरोदा गांव में 9 वीं शती ई.में प्रतिहार कला में बनाये गये विष्णु देव और शिव मंदिर को संरक्षित कर उनके रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है। यहाँ समूह में निर्मित विष्णु एवं शिव मंदिरों को सूक्ष्म .ष्टि से देखने पर ज्ञात होता है कि पूर्व में भी मानव एक दूसरे के धर्मो के समावेश में विश्वास रखते थे। मध्यप्रदेश की विशाल और बहुमूल्य पुरा सम्पदा की देखरेख तथा सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है। हालांकि बहुमूल्य प्राचीन मूर्तियों को तस्करी के जरिये बाहर भेजने और मालामाल होने का कारोबार खूब फलने-फूलने की सूचना आती रही है तो राज्य शासन की सजगता से तस्कर अपने इरादों में कामयाब नहीं हो पाते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में बनी तथा भारतीयों द्वारा अब तक न देखी गयप सैकड़ों मूर्तियाँ सदा- सदा के लिये हमारे देश से चली जावेगी। देश के अलग-अलग हिस्सों से हर साल कितनी प्राचीन कला.तियां चोरी होती हैं इसका अनुमान लगाना सहज नहीं। लेकिन सर्तकता के कारण मध्यप्रदेश में ऐसी घटनाएं यदा-कदा ही होती हैं जो संतोष की बात है। यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश में अपार पुरातत्व संपदा है। स्मरण रहे कि मध्यप्रदेश की स्थापना के समय पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की पुरातत्वीय धरोहारों के संरक्षण के लिये सिर्फ छह संग्रहालय ही मिले थे। आज इनकी संख्या बढकर तीन गुना से भी ज्यादा है। इस दिशा में प्रयास लगातार जारी हैं। मध्यप्रदेश अपनी पुरा सम्पदा के लिए अलग ख्याति रखता है। अपनी इसी तरह की अलग विशेषताओं के कारण मध्यप्रदेश को देश का हृदय प्रदेश कहा जाता हैं।

(लेखक-निलय श्रीवास्तव / ईएमएस)

शब्द पहेली -7259

1	2		3	■	4		5	6
7		■	8			■	9	■
	■	■		■	10	11	■	
12		13		14				
■		■		■		■		■
15		16				17		18
	■	19		■	20		■	
21	22	■	23			■	24	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ
1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग,दाढ़ी बनाना-4
7. बेल,लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर,परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा,लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम,यवनी-3
24. मोल,कीमत-2
25. स्वभाव,आदत-4
26. करतब,करिश्मा-4

ऊपर से नीचे
1. शमशीर,कृपाण-4
2. मां,मम्मी-3
3. नीयत,चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय,वोट-2
6. आंदोलन,संग्राम-4
11. क्षारीय,चटपटा-4
13. आशियां,नीड़-4
14. नेत्र,आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत,रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा,श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -7258 का हल

	म	जु	हा	र		जी		
	हा		नि		म	र	घ	ट
मं	ब	र		म	नो	ज		क
	र	ज	त		का		ता	रा
म		नी	ल	क	म	ल		व
हा	ल		ब		ना	ह	क	
व		आ	गा	र		र	वा	ना
त	क	रा	र		रा		य	
		म		त	ह	म	द	

Jagrutidaur.com, Bangalore

कंपनियों के तिमाही परिणाम और वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजारों की चाल

- रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन में कोराना की स्थिति भी बाजार का रुख तय करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की चाल कंपनियों के तिमाही प?रिणामों और वैश्विक रुख से तय होगी। लंबी छुट्टियों वाले पिछले सप्ताह के बाद सोमवार को शेयर बाजारों में कारोबार फिर शुरू होगा। विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन में कोराना संक्रमण की स्थिति भी बाजार का आगे का रुख तय करेगी। बाजार के जानकारों का कहना है ?कि घरेलू और वैश्विक मोर्चे पर कोई बड़ा घटनाक्रम नहीं होने की वजह से इस सप्ताह बाजार की दिशा कंपनियों की कमाई से तय होगी। बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मार्च के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को आएंगे। बाजार सोमवार को दो प्रमुख कंपनियों इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा।' भारत की दूसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा कंपनी इन्फोसिस का मार्च तिमाही का मुनाफा सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 5,686 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी का परिणाम पिछले सप्ताह आया है। कंपनी ने 2022-23 में अपने कारोबार में 13-15 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद जताई है। देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक का मार्च, 2022 में समाप्त तिमाही के लिए मुनाफा 22.8 प्रतिशत बढ़कर 10,055.2 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी का तिमाही नतीजा शनिवार को आया था।

इस सप्ताह माइंडट्री, एसीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, नेस्ले और हिंदुस्तान जिंक के कमाई के आंकड़े आएंगे। ?उनका कहना है ?कि आमदनी के सीजन की शुरुआत के साथ आने वाले दिनों में घरेलू बाजार में क्षेत्र विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। गौरतलब है ?कि पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,108.25 अंक टूटा, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 308.70 अंक नीचे आया। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा बाजार की निगाह विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के रुझान, रुपए और कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी।

कीव में और आक्रामक हुआ रूस, हमले की बनाई नई रणनीति, कई शहर लिया निशाने पर

कीव (ईएमएस)। युद्धग्रस्त यूक्रेन में रूसी सेना ने अपनी रणनीति बदलते हुए शनिवार को पश्चिमी यूक्रेन और इससे सटे इलाकों में हमले तेज कर दिए। यह कार्रवाई यूक्रेन के लोगों और उनके पश्चिमी समर्थकों को इस बात की याद दिलाती है कि रूस के पूर्व की ओर नए सिरे से हमले तेज करने के बावजूद पूरा देश खतरे में है। काला सागर में अपने एक महत्वपूर्ण युद्धपोत के नष्ट होने और रूसी क्षेत्र में यूक्रेन के कथित आक्रमण से भड़के मॉस्को ने यूक्रेन की राजधानी पर नए सिरे से मिसाइल हमले करने की चेतावनी दी थी।

रूसी अधिकारियों ने कहा कि वे युद्ध के 52 दिनों के दौरान सैन्य स्थलों को निशाना बना रहे थे। हालांकि, यूक्रेन के लोगों ने रूस के इस दावे का खंडन किया है। यूक्रेन में मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हर दिन आम नागरिकों के मारे जाने का खुलासा होता है। रूसी सेना के करीब दो सप्ताह पहले पीछे हटने के बाद कीव के बाहरी कस्बों और गांवों में अधिकारियों ने 900 से अधिक नागरिकों के शव मिलने की सूचना दी थी, जिनमें से अधिकांश की गोली मारकर हत्या की गई है।

शनिवार तड़के राजधानी से एक बार फिर धुएं का गुबार उठा और महापौर विताली क्लित्स्को ने वहां हमले की सूचना दी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। महापौर ने उन निवासियों को वापस नहीं आने की सलाह दी है, जो युद्ध भड़कने पर शहर से पलायन कर गए थे। क्लित्स्को ने कहा, 'हम राजधानी पर और हमले की आशंका से इनकार नहीं कर रहे हैं। यदि आपके पास उन शहरों में थोड़े दिन और रहने का विकल्प है, जहां आप सुरक्षित हैं तो वहीं पर रहें।' कीव के दार्नित्स्की जिले में हमले के बाद के जमीनी हालात और इससे हुई क्षति के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

राजधानी के दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित इस जिले सोवियत शैली के कई अपार्टमेंट, शॉपिंग सेंटर, बड़े रिटेल आउटलेट, औद्योगिक इकाइयां और रेलयार्ड मौजूद हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेंकोव ने कहा कि एक बख्तरबंद वाहन संयंत्र को निशाना बनाया गया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह संयंत्र कहां स्थित था, लेकिन दार्नित्स्की जिले में इस तरह का एक कारखाना होने की सूचना है।

प्रवक्ता के मुताबिक, यह संयंत्र लंबी दूरी की बेहद सटीक मिसाइलों से निशाना बनाए गए कई यूक्रेनी सैन्य प्रतिष्ठानों में से एक है। रूसी सेना द्वारा इस सप्ताह यूक्रेनी राजधानी पर मिसाइल हमले तेज करने की चेतावनी दिए जाने के बीच यह कीव में दूसरा बड़ा हमला था। इससे पहले, रूसी सेना ने शुक्रवार को यूक्रेन के एक मिसाइल संयंत्र को निशाना बनाया था।

कोरोना में सरकार की लापरवाही से 40 लाख भारतीयों की हुई मौत : राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के सीनियर नेता राहुल गांधी ने रविवार को दावा किया कि सरकार की लापरवाही के चलते कोरोना वायरस महामारी के दौरान 40 लाख भारतीयों की मौत हुई। साथ ही उन्होंने सभी मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये मुआवजा देने की एक बार फिर से मांग की। राहुल ने ट्विटर पर एक स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें दावा किया गया है कि भारत दुनियाभर में कोविड से हुई मौत के आंकड़े सार्वजनिक करने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रयासों में बाधा डाल रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ट्वीट में कहा कि मोदी जी ना सच बोलते हैं, ना बोलने देते हैं। वो तो अब भी झूठ बोलते हैं कि ऑक्सीजन की कमी से कोई नहीं मरा! राहुल ने कहा कि मैंने पहले भी कहा था- कोविड के दौरान सरकार की लापरवाही के कारण पांच लाख नहीं, बल्कि 40 लाख भारतीयों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि फर्ज निभाईये, मोदी जी-हर पीड़ित परिवार को 4 लाख रुपये का मुआवजा दीजिए। उल्लेखनीय है कि भारत ने देश में कोविड-19 मृत्यु दर का आकलन करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की पद्धति पर शनिवार को सवाल उठाए। सरकार ने कहा था कि इस तरह के गणितीय मॉडल का इस्तेमाल इतने विशाल भौगोलिक आकार और जनसंख्या वाले देश में मृत्यु के आंकड़ों का अनुमान लगाने में नहीं किया जा सकता। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 16 अप्रैल को प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स के 'भारत वैश्विक कोविड मृतक संख्या सार्वजनिक करने के डब्ल्यूएचओ के प्रयास बाधित कर रहा है' शीर्षक वाले आलेख के जवाब में यह कहा है। मंत्रालय ने कहा कि देश ने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अपनाई जाने वाली पद्धति पर कई बार अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं।

विश्व बैंक रिपोर्ट- भारत में 8 सालों में विकास की नई सीढ़िया चढ़ी, गरीबी 12.3 फीसदी घटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। विकास की सीढ़िया चढ़ते भारत ने अपने गरीबी वाले चोले को उतार फेंकने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी लिहाजा, चरम गरीबी में 2011 की तुलना में 2019 में 12.3 प्रतिशत की कमी आई है। गरीबी का आंकड़ा 2011 में 22.5 फीसदी से घटकर 2019 में 10.2 फीसदी हो गया है। गरीबी में ग्रामीण क्षेत्रों में तुलनात्मक रूप से तेज गिरावट आई है। विश्व बैंक पॉलिसी रिसर्च के वर्किंग पेपर में यह जानकारी दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से प्रकाशित वर्किंग पेपर में भी कहा गया था कि भारत ने चरम गरीबी को लगभग समाप्त कर दिया है। साथ ही राज्य की ओर से दिए जाने वाले खाद्य हैंडआउट्स के माध्यम से 40 वर्षों में उपभोग असमानता अपने निम्नतम स्तर पर है।

ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में ज्यादा आई कमीः शहरी भारत की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में कमी अधिक आई है। ग्रामीण गरीबी 2011 में 26.3 फीसदी से घटकर 2019 में 11.6 फीसदी हो गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह गिरावट इसी अवधि के दौरान 14.2 फीसदी से घटकर 6.3 फीसदी हो गई। विश्व बैंक के वर्किंग पेपर में कहा गया है कि ग्रामीण और शहरी गरीबी में 2011-2019 के दौरान 14.7 और 7.9 प्रतिशत अंक की गिरावट आई है। भारत में गरीबी पिछले एक दशक में कम हुई है, लेकिन उतनी नहीं जितनी पहले सोचा गया था।

यह पेपर संयुक्त रूप से अर्थशास्त्री सुतीर्थ सिन्हा रॉय और रॉय वैन डेर वेइड ने लिखा है। विश्व बैंक नीति शोध कार्य पत्रों का उद्देश्य विकास पर विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना और रिसर्च के नतीजों को शीघ्रता से प्रसारित करना है।

अध्ययन के अनुसार, छोटे आकार की जोत वाले किसानों ने उच्च आय वृद्धि का अनुभव किया है। इसमें कहा गया है, ठसबसे छोटी जोत वाले किसानों के लिए वास्तविक आय में दो सर्वेक्षण दौर (2013 और 2019) के बीच वार्षिक रूप से 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सबसे बड़ी जोत वाले किसानों के लिए 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैठ

विश्व बैंक का पेपर काफी अहम है, क्योंकि भारत के पास हाल की अवधि का कोई आधिकारिक अनुमान नहीं है। अंतिम व्यय सर्वेक्षण 2011 में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की ओर से जारी किया गया था, जब देश ने गरीबी और असमानता के आधिकारिक अनुमान भी जारी किए थे।

पीटीआई नेता फवाद चौधरी ने चेताया, कहा- पाक में गृहयुद्ध का अंदेशा

-नाराज आवाम को नहीं रोक पाएंगे इमरान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान की सियासत में इमरान खान सरकार के पतन के बाद भले ही नई सरकार का गठन हो गया हो लेकिन सियासी खींचतान थमने का नाम नहीं ले रही है। आलम यह है कि सियासतदानों की ओर से मुल्क के गृहयुद्ध की आग में झुलसने का अंदेशा जताया जा रहा है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता फवाद चौधरी ने चेतावनी दी है कि देश गृहयुद्ध की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने शनिवार को पंजाब विधानसभा में विपक्ष और ट्रेजरी बेंच के बीच हुई हिंसा पर उक्त आशंका जताई।

समाचार के मुताबिक इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ और पीएमएल-एन के सदस्यों के आपस में उलझने की वजह से पंजाब विधानसभा का सत्र जबरदस्त हंगामें में बदल गया। पीटीआई और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद के सांसदों ने कथित तौर पर पंजाब के डिप्टी स्पीकर दोस्त मुहम्मद मजारी के साथ मारपीट की जिससे उन्हें सेवानिवृत्त होने के लिए मजबूर होना पड़ा। हंगामें के दौरान विधानसभा में पुलिस दाखिल हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक फवाद चौधरी ने ट्वीट कर कहा, 'हम पूरी तरह से गृहयुद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। अभी तक इमरान खान ने अत्यधिक संयम बरता है लेकिन वह मौजूदा हालात से नाराज भीड़ को नहीं रोक पाएंगे। यदि हालात नहीं संभले तो हम देश को गृहयुद्ध में झुलसता हुआ देखेंगे।' अपने विरोधियों को 'आयातित नेता' बताते हुए फवाद चौधरी ने कहा कि वे देश नहीं छोड़ पाएंगे। देश में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल सुप्रीम कोर्ट की 'विफलता' से जुड़ी है।

पीटीआई के एक अन्य नेता फारुख ने भी फवाद चौधरी के बयान से सहमति जताते हुए कहा कि यदि अनुच्छेद 63-ए की व्याख्या के संबंध में राष्ट्रपति के संदर्भ की व्याख्या की गई होती तो पंजाब विधानसभा में ऐसी घटना नहीं होती। वहीं पीटीआई नेता जुल्फी बुखारी ने कहा- जब हालात नियंत्रण से बाहर हो जाते हैं तो जनता कानून अपने हाथों में ले लेती है। इस नागरिक अशांति का एकमात्र समाधान चुनाव है। चुनाव कराई और लोगों को अपना भाग्य खुद तय करने दीजिए।

पांच फीसदी के कर स्लैब को समाप्त करने के प्रस्ताव पर ?किया जा सकता है विचार

- पांच प्रतिशत स्लैब को बढ़ाकर 9 प्रतिशत तक करने पर चर्चा कर रही सरकार

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की अगले महीने होने वाली बैठक में पांच प्रतिशत के कर स्लैब को समाप्त करने के प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है। जानकारी के मुता?बिक इसके स्थान पर कुछ अधिक खपत वाले उत्पादों को तीन प्रतिशत और शेष को आठ प्रतिशत के स्लैब में डाला जा सकता है। ज्यादातर राज्य राजस्व बढ़ाने को लेकर एक राय रखते हैं, जिससे उन्हें मुआवजे के लिए केंद्र पर निर्भर नहीं रहना पड़े। फिलहाल जीएसटी में 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत के चार कर स्लैब हैं। इसके अलावा, सोने और स्वर्ण आभूषणों पर तीन प्रतिशत कर लगता है। इसके अतिरिक्त कुछ बिना ब्रांड (अनब्रांडेड) और बिना पैकिंग (अनपैक्ड) वाले उत्पाद हैं जिनपर जीएसटी नहीं लगता है। सूत्रों ने कहा कि राजस्व बढ़ाने के लिए परिषद कुछ गैर-खाद्य वस्तुओं को तीन प्रतिशत स्लैब में लाकर कर छूट प्राप्त वस्तुओं की सूची में कटौती करने का निर्णय ले सकती है। बताया जा रहा है ?कि पांच प्रतिशत स्लैब को बढ़ाकर 7 या 8 या 9 प्रतिशत करने की चर्चा चल रही है। इस पर अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री की अगुवाई वाली जीएसटी परिषद में सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं। गणना के अनुसार पांच प्रतिशत स्लैब में प्रत्येक एक प्रतिशत की वृद्धि से लगभग सालाना 50,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। हालांकि विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है लेकिन माना जा रहा है कि परिषद में अधिकांश वस्तुओं के लिए आठ प्रतिशत जीएसटी पर सहमति बनने की उम्मीद है। फिलहाल इन उत्पादों पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत है। जीएसटी के तहत आवश्यक वस्तुओं पर या तो सबसे कम कर लगाया जाता है या उन्हें कर से पूरी छूट मिलती है। वहीं विलासिता और अहितकर वस्तुओं पर सबसे अधिक कर लगता है। इन पर 28 प्रतिशत कर के साथ उपकर भी लगता है। इस उपकर संग्रह का इस्तेमाल राज्यों को जीएसटी को लागू करने से राजस्व में हुए नुकसान की भरपाई के लिए किया जाता है।

यूक्रेन- जेपोरेजिया में रूस हुआ आक्रामक, बरसा रहा फास्फोरस बम

-शरणार्थियों ने बयां की दर्द की दास्ता

जेपोरेजिया (ईएमएस)। रूस के हमलों से बियाबान में तब्दील हो हे यूक्रेन में हालात दिन-ब-दिन भयावह होते जा रहे हैं। यूक्रेन के जेपोरेजिया शहर को रूसी सेना ने चारों तरफ से घेर रखा है। हर तरफ बमबारी हो रही है। रूसी सेना आसमान से फास्फोरस बम बरसा रही है जो प्रतिबंधित हैं। अपना घर-बार छोड़कर किसी तरह जान बचाकर शरणार्थी शिविरों में शरण लेने वाले लोगों ने आजतक से खौफनाक मंजर बयान किए।

अपने मोबाइल फोन पर 68 साल की तेरतान्या वो खौफनाक मंजर बार-बार देखती रहती हैं। आसमान से बरसते अंगारे उनकी आंखों में दहशत भर देते हैं। क्या हश्र होगा उसके गांव का? उनकी दोस्तों का? उनके घर का? तेरतान्या बताती हैं कि उनका गांव जेपोरेजिया से 70 किलोमीटर की दूरी पर है। उनको कभी नहीं लगा था कि उनके गांव में भी बमबारी होगी क्योंकि वहां सेना का कोई बेस नहीं था लेकिन वह गलत थीं।

आंखों में दहशत लिए तेरतान्या ने बताया कि जब गांव पर मिसाइलें गिरने लगीं तब भी वो घर छोड़कर नहीं गईं। किडनी की बीमारी होने के बावजूद भी तीन हफ्ते अकेले बेसमेंट में रहीं। उन्होंने फास्फोरस बम की बात की और बताया कि अब सहेली नताशा के साथ रह रही हूं। कमोबेश ऐसी ही दास्तान बयान किया मारियूपोल के युगन ने।

युगन ने कहा कि रूसी कब्जे वाले इलाकों से भागना नामुमकिन था। सबसे अधिक तबाही झेलने वाले मारियूपोल से भागकर आए युगन कहते हैं कि अब डर नहीं लगता। मौत का मंजर, गोलियों की गूंज और उसके बीच मिटता जिंदगी का नामोनिशान...हमने ये सब देखा है। उन्होंने बताया कि कई दिन बंकर में ही रात बिताई। जैसे-तैसे अपने परिवार के चार सदस्यों के साथ जेपोरेजिया तो पहुंच गया लेकिन अपने पिता को गांव में ही छोड़ दिया।

युगन ने गाड़ी का शुक्रिया किया जिससे वे मारियूपोल से भागकर आए और रास्ते की कठिनाइयों को भी बयान किया। वे बताते हैं कि चार दिन के सफर में 30 चेक प्वाइंट पड़े। अब परिवार के साथ जर्मनी जाना चाहते हैं। वहीं, अपनी मां के साथ शरणार्थी शिविर आई 11 साल की मारिया को अपना घर सबसे प्यारा लगता है। मारिया अपने साथ एक बैग और गुड़िया लेकर आई है।

पेशे से स्कूल टीचर महिला की बेटी मारिया के मुताबिक एक दिन वह अपनी मां के साथ अपने घर वापस लौटी तो शीशे टूटे हुए थे, दरवाजा खुला था। हर चीज अस्त-व्यस्त पड़ी थी। मारिया का आरोप है कि रूसी सैनिक उनके घर के बर्तन, कपड़े के साथ उसकी फोटो भी फाड़कर लेते गए थे। मारिया की मां को उसी दिन से उसकी चिंता सताने लगी थी और उसने खाना-पीना छोड़ दिया था।

मारिया की मां उसी दिन से अपने लिए सबसे प्यारा घर छोड़कर भागने का रास्ता तलाशने लगी थी। दोनों मां-बेटी भागकर शरणार्थी शिविर में आ तो गए लेकिन खौफ इनके चेहरे से साफ झलक रहा है। मां-बेटी गुमशुम हैं। इनका कहना है कि कभी सोचा नहीं था कि जो आशियाना सबसे सुरक्षित था वही हमारे लिए दहशत वाला होगा। ये तो कुछ लोग हैं। इनके जैसे हजारों-लाखों लोग अपना घर-बार छोड़कर बेघर हो रहे हैं, जान बचाकर भाग रहे हैं। शरणार्थी शिविरों में शरण ले रहे हैं और यही कह रहे हैं कि जाने कब ये नर्क की आग बुझेगी। गौरतलब है कि इस राज्य के लगभग 70 फीसदी शहर रूसी कब्जे में हैं। इनोरहदार से लेकर मेलिटोपोल जैसे शहरो पर रूसी झंडा लहरा रहा है। ऐसे में जेपोरेजिया शरणार्थियों के लिए एकमात्र पनाहगार बना हुआ है।

अमेरिका के पीट्सबर्ग में हुई ताबड़तोड़ गोलीबारी, दो की जान गई, 11 घायल

पिट्सबर्ग, अमेरिका (ईएमएस)। अमेरिका के पिट्सबर्ग शहर में रविवार तड़के हुई ताबड़तोड़ गोलीबारी में दो लोगों ने अपने प्राण गंवा दिए जबकि 11 लोग घायल हो गए। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए पिट्सबर्ग पुलिस ने कहा कि गोलीबारी शहर के नार्थ साइड में एक एयरबीएनबी प्रापर्टी में एक पार्टी के दौरान हुई। अधिकारियों ने कहा कि अंदर 200 से अधिक लोग थे, जिनमें से कई कम उम्र के थे।

पुलिस ने कहा कि जब अधिकारी पहुंचे तो उन्होंने देखा कि लोग घटनास्थल से भाग रहे हैं और खिड़कियों से कूदकर भागने की कोशिश कर रहे हैं। कई लोगों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में दो किशोरियों की मौत हो गई। अभी उनकी शिनाख्त नहीं हो पाई है।

पुलिस ने कहा कि 50 राउंड अंदर और बाहर भी कई राउंड फायर किए गए। बताया कि घटनास्थल से राइफलों और पिस्तौल से खाली खोके मिले हैं। पुलिस उन आठ अलग-अलग अपराध दृश्यों पर सुबूत तलाश रही है, जहां कुछ ब्लाकों में गोलीबारी हुई थी। फिलहाल किसी भी संदिग्ध के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बता दें कि अमेरिका में हुई इस तरह की फायरिंग की यह कोई पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी अंधाधुंध फायरिंग की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अभी हाल ही में एक शख्स ने न्यूयार्क शहर के ब्रुकलिन सबवे मेट्रो स्टेशन पर जमकर गोलीबारी कर उत्पतात मचाया था।

इस हमले में 23 लोग घायल हुए, जिनमें से 10 को गोली लगी थी। न्यूयार्क पुलिस ने बताया कि फ्रैंक राबर्ट जेम्स ने ब्रूकलिन में सबवे ट्रेन में हमला किया था। वह ट्रेन में ही सवार था और ट्रेन जब 36 स्ट्रीट स्टेशन पर पहुंच रही थी, तब उसने दो स्माग बम छोड़े और डिब्बे में धुआं भर जाने के बाद फायरिंग शुरू कर दी।

आरबीआई ने बाजार में 18 अप्रेल से कारोबार का समय बदला

- कारोबार सुबह 10 बजे के बजाय 9 बजे से ही शुरू होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेगुलेटेड मार्केट यानी नियमन वाले बाजारों में कारोबार का समय बदल ?दिया है। बाजार का नया टाइम टेबल 18 अप्रैल, सोमवार से लागू हो जाएगा। नए टाइम टेबल के अनुसार अब कारोबार सुबह 10 बजे के बजाय 9 बजे से ही शुरू होगा और 3.30 बजे तक जारी रहेगा। आरबीआई ने बाजार के समय को 30 मिनट बढ़ाया है। आरबीआई ने कहा है कि कोरोना प्रतिबंध समाप्त होने और लोगों की आवाजाही पर लगी पाबंदियां हट जाने तथा दफ्तरों में कामकाज सामान्य होने के चलते वित्तीय बाजारों में कारोबार की शुरुआत सुबह नौ बजे से करने का फैसला किया गया है। आरबीआई ने कहा है कि अब विनियमित वित्तीय बाजारों के लिए उनके महामारी पूर्व समय सुबह 9:00 बजे खुलने का समय बहाल किया जाए। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार और सरकारी प्रतिभूतियों में लेनदेन अब बदले हुए समय के साथ ही हो पाएगा। गौरतलब है ?कि कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए आरबीआई ने 7 अप्रैल, 2020 को बाजार के समय में बदलाव किया था। उस समय कारोबार के समय को आधा घंटा कम करते हुए बाजार का समय सुबह 10 बजे से दोपहर बाद 3.30 बजे तक किया गया था लेकिन अब स्थिति सामान्य होने पर बाजार में कारोबार के लिए पुराने टाइम टेबल को लागू किया जा रहा है।

बिजली मांग बढ़ने से महाराष्ट्र को कोयले की आपूर्ति भी बढ़ाई: केंद्र सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोयला मंत्रालय ने कहा कि पिछले महीने की तुलना में इस महीने महाराष्ट्र को अधिक कोयला मुहैया करवाया गया है और बिजली की मांग बढ़ने के साथ आपूर्ति बढ़ाई गई है। मंत्रालय ने कहा कि गैस आधारित उत्पादन और जलविद्युत के साथ कई तरह के मुद्दे हैं लेकिन कोयले के लिहाज से किसी भी तरह का संकट नहीं है। कोयला मंत्रालय ने कहा ?कि पिछले महीने महाराष्ट्र में ऊर्जा संयंत्रों को प्रतिदिन 2.14 लाख टन कोयला आपूर्ति की गई थी जबकि चालू महीने में (11 अप्रैल तक) यह बढ़कर 2.76 लाख टन प्रतिदिन हो गया। एक दिन पहले कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने राज्य में बिजली संकट के लिए केंद्र सरकार द्वारा कोयले की कम आपूर्ति करने को जिम्मेदार ठहराया था।

रूसी तेल पर प्रतिबंध और बैंकिंग अवरुद्ध करने से जल्द कायम होगी शांति : जेलिंस्की

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस पर लगाए गए मौजूदा प्रतिबंध उसके लिए बेहद 'कष्टकारी' हैं, लेकिन ये रूसी सेना को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। जेलेंस्की ने लोकतांत्रिक दुनिया से रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाने की अपील की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जहां इस तरह का प्रतिबंध लगाया है, वहीं यूरोप रूसी ऊर्जा आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर है, जबकि बाइडन प्रशासन भारत को रूसी ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाने से रोकने का प्रयास कर रहा है।

जेलेंस्की ने राष्ट्र के नाम जारी एक वीडियो संदेश में कहा लोकतांत्रिक दुनिया को यह स्वीकार करना चाहिए कि ऊर्जा संसाधनों के लिए रूस को मिलने वाला धन वास्तव में लोकतंत्र के विनाश के लिए इस्तेमाल होने वाला धन है। उन्होंने कहा लोकतांत्रिक दुनिया जितनी जल्दी यह समझ लेगी कि रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाना और उसके बैंकिंग क्षेत्र को पूरी तरह से अवरुद्ध करना शांति के लिए आवश्यक कदम है, युद्ध उतनी ही जल्दी समाप्त हो जाएगा।

पाक सैनिकों ने अफगानिस्तान में की एयर स्ट्राइक, महिलाओं-बच्चों सहित 40 नागरिकों की मौत

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा अफगानिस्तान में की गई एयरस्ट्राइक में बच्चों और महिलाओं सहित 40 से अधिक अफगान नागरिक मारे गए हैं। शुक्रवार रात को खोस्त और कुनार प्रांतों के विभिन्न हिस्सों में पाकिस्तानी विमानों ने हमले किए।

तालिबान शासनकाल में पहली बार पाकिस्तानी सैन्य विमानों ने अफगान धरती पर बमबारी की, जिसमें 40 से अधिक नागरिक मारे गए। हालांकि, पाकिस्तान अपने प्रॉक्सी बलों, तालिबान और मुजाहिदीन के माध्यम से अफगानों को दशकों से मारता रहा है। इस घटना में मारे गए लोगों की लाशों की एक तस्वीर भी सामने आई है। खोस्त और कुनार प्रांतों के स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को पुष्टि की कि पाकिस्तानी विमानों ने प्रांतों के विभिन्न हिस्सों पर हवाई हमले किए। घटना के बाद तालिबान ने पाकिस्तान के राजदूत मंसूर अहमद खान को तलब किया। देश के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अफगान विदेश मामलों के कार्यवाहक मंत्री अमीर खान मुत्ताकी और कार्यवाहक उप रक्षा मंत्री अल्हाज मुल्ला शिरीन अखुंद बैठक में मौजूद थे। उन्होंने पाकिस्तानी बलों की ओर से किए गए हमलों की निंदा की। इसने ट्वीट किया, काबुल में पाकिस्तानी राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया।

आईईए के विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी के साथ, सत्र में उप रक्षा मंत्री अल्हज मुल्ला शिरीन अखुंड भी शामिल थे, जहां अफगान पक्ष ने इसकी निंदा की। विश्लेषकों के अनुसार, ये हमले पाकिस्तान के सीधे हस्तक्षेप और अफगान राष्ट्रीय संप्रभुता के उल्लंघन का संकेत देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राजनीतिक विश्लेषक सादिक शिनवारी ने कहा, खोस्त और कुनार में (डूरंड रेखा) के साथ पाकिस्तानी बलों की ओर से किए गए हवाई हमले और ग्राउंड ऑपरेशन्स अफगान हवाई क्षेत्र में एक स्पष्ट उल्लंघन और हस्तक्षेप है।

पुतिन और सऊदी अरब के प्रिंस सलमान ने द्विपक्षीय संबंधों और तेल पर की चर्चा

रियाद (ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने शनिवार को सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत की। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी बातचीत है। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों और सभी क्षेत्रों में उन्हें बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।

दोनों नेताओं के बीच हुई फोन पर बातचीत के संबंध में सऊदी द्वारा जारी बयान के अनुसार, क्राउन प्रिंस ने यूक्रेन संकट के राजनीतिक समाधान के लिए किए जाने वाले प्रयासों के प्रति समर्थन जताया। सऊदी ने हाल ही में यूक्रेन के शरणार्थियों की मानवीय सहायता के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर राशि की घोषणा की है। क्रेमलिन द्वारा जारी बयान के अनुसार दोनों नेताओं के बीच यमन में जारी संघर्ष पर चर्चा हुई जहां सऊदी नीत गठबंधन वर्षों से युद्ध लड़ रहा है। साथ ही दोनों के बीच 'ओपेक प्लस' पर भी चर्चा हुई।

अप्रैल के पहले पखवाड़े में ईंधन की बिक्री में आई ?गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईंधन की कीमतों में बीते 16 दिनों में बढ़ोतरी होने की वजह से इसकी मांग में ?गिरावट आई है ?जिससे अप्रैल के पहले पखवाड़े में देश में ईंधन की बिक्री घट गई। पेट्रोलियम उद्योग के आरंभिक आंकड़ों में यह तथ्य सामने आया। मार्च के पहले पखवाड़े की तुलना में अप्रैल के पहले 15 दिनों में पेट्रोल की बिक्री करीब 10 फीसदी कम रही और डीजल की मांग भी 15.6 फीसदी घट गई। इसी तरह एक से 15 अप्रैल के बीच घरेलू रसोई गैस एलपीजी की खपत में भी मासिक आधार पर 1.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें करीब साढ़े चार महीने तक स्थिर रखने के बाद 22 मार्च को पहली बार बढ़ाई थीं। उसके बाद छह अप्रैल तक के 16 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 10-10 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी गई। घरेलू रसाई गैस की कीमत में भी 22 मार्च को 50 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई थी जिसके बाद दिल्ली में गैर-सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर के दाम 949.50 रुपए हो गए थे।

विमानों में ईंधन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले एटीएफ के भाव भी नई मूल्य वृद्धि के बाद 1,13,202.33 रुपए प्रति किलोलीटर हो गए हैं और इसकी बिक्री में मासिक आधार पर 20.5 फीसदी की गिरावट आई है। पेट्रोलियम उद्योग के आरंभिक आंकड़ों के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने एक से 15 अप्रैल के बीच 11.20 लाख टन पेट्रोल बेचा जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले करीब 12.1 फीसदी अधिक और 2019 की समान अवधि की तुलना में 19.6 फीसदी अधिक है। हालांकि पेट्रोल की खपत मार्च 2022 की समान अवधि के मुकाबले 9.7 फीसदी कम है। मार्च के पहले पखवाड़े में तेल कंपनियों ने कुल 12.4 लाख टन पेट्रोल की बिक्री की थी। देश में सबसे ज्यादा उपयोग में लाए जाने वाले ईंधन डीजल की बिक्री सालाना आधार पर 7.4 फीसदी बढ़कर करीब 30 लाख टन हो गई।

यह मार्च 2019 की बिक्री के मुकाबले 4.8 फीसदी अधिक लेकिन इस साल एक मार्च से 15 मार्च के बीच हुई 35.3 लाख टन की बिक्री की तुलना में 15.6 फीसदी कम है। मार्च के पहले पखवाड़े में पेट्रोल और डीजल की बिक्री क्रमशः 18 फीसदी और 23.7 फीसदी बढ़ गई थी। मार्च में डीजल की बिक्री बीते दो साल में किसी महीने में हुई सर्वाधिक बिक्री थी। उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि मार्च के पहले पखवाड़े में, कीमतें बढ़ने का अनुमान लगाते हुए लोगों ने अपनी गाड़ियों के टैंक भरवा लिए। इसी तरह पेट्रोल पंप डीलरों ने भी अपने स्टोरेज टैंक के साथ मोबाइल ब्राउजर या टैंकर ट्रक भी भरवा लिए। ऐसे में कीमतों के बढ़ते ही पेट्रोल एवं डीजल की खपत में गिरावट आ गई।

इमरान ने अपने अभियान के लिए विदेश में रह रहे पाक नागरिकों से मांगा चंदा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने विदेश में रह रहे पाकिस्तानियों से देश की नई सरकार के खिलाफ पार्टी द्वारा शुरू किए गए अभियान के लिए धन दान करने की अपील की है। इमरान खान ने ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि विदेशी साजिश के माध्यम से पाकिस्तानी लोगों पर एक भ्रष्ट सरकार थोपी गई है।

खान (69) ने नेता प्रतिपक्ष व पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री बनने के लगभग एक सप्ताह बाद कहा, यह 22 करोड़ पाकिस्तानी लोगों का अपमान है। खान ने अपने अभियान को हकीकी आजादी (वास्तविक स्वतंत्रता) नाम देते हुए कहा कि उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने विदेशी पाकिस्तानियों से चंदा इकट्ठा करने के लिए नामंजूर डॉट कॉम नामक वेबसाइट बनाई है।

उन्होंने कहा, आईए सरकार बदलने की इस विदेशी साजिश का पर्दाफाश करें और देश को चुनाव की ओर ले जाएं। पाकिस्तान की जनता को उसकी सरकार चुनने दें। खान को पिछले सप्ताह नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद प्रधानमंत्री के पद से हटा दिया गया है। वह 2018 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने थे।

श्रीलंकाई शेयर बाजार में अगले हफ्ते बंद रहेगा कारोबार

कोलंबो (ईएमएस)। गहरे वित्तीय एवं राजनीतिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के शेयर बाजार कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार एक हफ्ते तक बंद रहेगा। श्रीलंका प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में यह घोषणा की है। एसईसी ने कहा कि निवेशकों को बाजार के बारे में अधिक स्पष्टता एवं समझ पैदा करने के लिए मौका देने के इरादे से कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में इस सोमवार से लेकर शुक्रवार तक कारोबार बंद रखने का फैसला किया गया है।

इस घोषणा का मतलब है कि 18 अप्रैल से शुरू होकर 22 अप्रैल तक कोलंबो शेयर बाजार में कारोबार अस्थाई तौर पर बंद रहेगा। कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज के निदेशक मंडल ने एक दिन पहले एसईसी से कारोबार को अस्थाई तौर पर बंद करने का अनुरोध किया था। इसके लिए श्रीलंका की मौजूदा परिस्थितियों का हवाला दिया गया था।

एसईसी ने यह फैसला पिछले कुछ हफ्तों से श्रीलंका में जारी भारी आर्थिक संकट और फिर उसके बाद उपजी राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए उठाया है। श्रीलंका के पास ईंधन एवं रोजमर्रा के सामान खरीदने के लिए भी जरूरी विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो चुकी है।

हालत यह हो गई है कि श्रीलंका सरकार ने विदेशी कर्जों के भुगतान को स्थगित कर दिया है। आर्थिक संकट गहराने से देश भर में सरकार विरोधी प्रदर्शन भी तेज हो गए हैं। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

पीएम मोदी आज से तीन दिन के गुजरात दौरे पर, कई कार्यक्रमों में करेंगे शिरकत

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 18 से 20 अप्रैल तक गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। 18 अप्रैल को शाम पीएम मोदी अहमदाबाद पहुंचेंगे और उसके गांधीनगर में स्कूलों के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की दौरा करेंगे। 19 अप्रैल को बनासकांठा और 20 अप्रैल को जामनगर का दौरा कर पीएम मोदी उसी दिन शाम दिल्ली लौट जाएंगे। प्रधानमंत्री के निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक सोमवार को शाम करीब छह बजे गांधीनगर में स्कूलों के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का दौरा करेंगे। स्कूलों के लिए कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को विश्व बैंक द्वारा वैश्विक रूप से एक सर्वोत्तम प्रणाली माना गया है और इसके बारे में जानने के लिए अन्य देशों को भी आमंत्रित किया गया है। गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री बनासकांठा जिले के दियोदर में 19 अप्रैल को 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाए गए एक नये डेयरी परिसर और आलू प्रसंस्करण संयंत्र को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। नया डेयरी परिसर एक हरित क्षेत्र परियोजना है। यह संयंत्र प्रतिदिन लगभग 30 लाख लीटर दूध के प्रसंस्करण में सक्षम होगा, लगभग 80 टन मक्खन, एक लाख लीटर आइसक्रीम, 20 टन संघनित दूध (खोया) और 6 टन चॉकलेट का उत्पादन करेगा। आलू प्रसंस्करण संयंत्र विभिन्न प्रकार के प्रसंस्कृत आलू उत्पादों जैसे फ्रेंच फ्राइज़, आलू चिप्स, आलू टिक्की, पैटी आदि का उत्पादन करेगा, जिन्हें कई अन्य देशों को निर्यात किया जाएगा। ये संयंत्र स्थानीय किसानों को सशक्त बनाएंगे और क्षेत्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएंगे। प्रधानमंत्री बनास सामुदायिक रेडियो स्टेशन भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह सामुदायिक रेडियो स्टेशन किसानों को कृषि और पशुपालन से संबंधित प्रमुख वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। साथ ही, प्रधानमंत्री गुजरात के दामा में स्थापित जैविक खाद और बायोगैस संयंत्र राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री खिमाना, रतनपुरा-भीलडी, राधनपुर और थावर में स्थापित होने वाले 100 टन क्षमता के चार गोबर गैस संयंत्रों की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री 19 अप्रैल को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे जामनगर में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (जीसीटीएम) का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रॉस घेब्रेयसस भी उपस्थित रहेंगे। जीसीटीएम दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए पहला और एकमात्र वैश्विक आउटपोस्ट केंद्र होगा। यह वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य के एक अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में उभरेगा। पीएम मोदी 20 अप्रैल को सुबह 10.30 बजे गांधीनगर में महात्मा मंदिर मंश होने वाले वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री और डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक भी मौजूद रहेंगे। इस तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में लगभग 90 प्रख्यात वक्ताओं और 100 प्रदर्शकों की उपस्थिति के साथ 5 पूर्ण सत्र, 8 गोलमेज सम्मेलन, 6 कार्यशालाएं और 2 संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री 20 अप्रैल को दोपहर लगभग 3 बजकर 30 मिनट पर दाहोद में आदिजाति महासम्मेलन में भाग लेंगे, जहां वह लगभग 22,000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। सम्मेलन में 2 लाख से अधिक लोगों के भाग लेने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री 1400 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। वह दाहोद जिला दक्षिणी क्षेत्र में क्षेत्रीय जल आपूर्ति योजना का उद्घाटन करेंगे, जो नर्मदा नदी बेसिन पर लगभग 840 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित है। यह दाहोद जिले और देवगढ़ बरिया शहर के लगभग 280 गांवों की जलापूर्ति की जरूरतों को पूरा करेगी। प्रधानमंत्री करीब 335 करोड़ रुपये की दाहोद स्मार्ट सिटी की पांच परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। इन परियोजनाओं में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) बिल्डिंग, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम, सीवरेज वर्क्स, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम और रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम शामिल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पंचमहल और दाहोद जिले के 10,000 जनजातीय लोगों को 120 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी। प्रधानमंत्री 66 केवी घोड़िया सबस्टेशन, पंचायत हाउस, आंगनवाड़ी समेत अन्य परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री दाहोद में उत्पादन इकाई में 9000 एचपी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के निर्माण की आधारशिला भी रखेंगे। परियोजना की लागत करीब 20,000 करोड़ रुपये है। भाप इंजनों के आवधिक ओवरहाल के लिए 1926 में स्थापित दाहोद कार्यशाला में महत्वपूर्ण सुधारों के साथ विद्युत लोकोमोटिव निर्माण इकाई को अपग्रेड किया जाएगा। यह 10,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री करीब 550 करोड़ रुपये की राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। इसमें करीब 300 करोड़ रुपये की जलापूर्ति से संबंधित परियोजनाएं, 175 करोड़ रुपये की दाहोद स्मार्ट सिटी परियोजनाएं, दुधिमती नदी परियोजना से संबंधित कार्य, घोड़िया में जीईटीसीओ सबस्टेशन से जुड़ी अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

आज गुजरात राज्य में गुजकेट की परीक्षा ली जाएगी

अहमदाबाद, १७ अप्रैल।

गुजरात माध्यमिक और उच्च और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (स्थ्वक्ष) आयोजित होने वाली गुजरात कॉम एट्रेंस टेस्ट की परीक्षा १८ अप्रैल २०२२ को राज्यभर में सुबह में १० बजे से शाम को ४ बजे तक ली जाएगी। बोर्ड ने परीक्षा को लेकर पूरी तैयारी कर ली है। कक्षा-१२ साइंस के बाद डिग्री इंजीनियरिंग तथा डिग्री-डिप्लोमा फार्मसी में प्रवेश लेने के लिए गुजकेट की परीक्षा अनिवार्य है। गुजकेट २०२२ की परीक्षा साइंस के ए, बी और एबी ग्रुप के विद्यार्थी देंगे। राज्यभर में ५४६१ ब्लोक में ली जाने वाली परीक्षा में १,०७,६९४ विद्यार्थी परीक्षा देंगे। जिसमें अहमदाबाद शहर के ९,१८९ जबकि अहमदाबाद ग्रामीण के ४,९८३ विद्यार्थी परीक्षा देंगे। विद्यार्थियों को सादा केलक्युटेर और पेन के अलावा कोई भी साहित्य नहीं ले जा सकेंगे। गुजकेट में भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान और गणित के विषय के प्रश्न पूछे जाते हैं। सुबह में १० से १२ के दौरान भौतिक और रसायन विज्ञान का ४०-४० मार्क के १२० मिनट का संयुक्त पेपर पूछे जाते हैं। भौतिकशास्त्र के १ रसायनशास्त्र में भी १ मार्क के ४० प्रश्न पूछे जाएंगे। जीव विज्ञान की परीक्षा ६० मिनट में ४० मार्क की ली जाएगी एक-एक मार्क के ४० प्रश्न पूछे जाएंगे। गणित की परीक्षा ६० मिनट में ४० मार्क की ली जाएगी एक-एक मार्क के ४० प्रश्न पूछे जाएंगे। गुजकेट की परीक्षा जिस सेंटर पर होंगे उस सेंटर पर मध्यस्थ मूल्यांकन कामकाज एक दिन के लिए बंद रहेगा यदि परीक्षा केंद्र पर अन्य बिल्डिंग हो तो रोजाना के अनुसार संबंधित स्कूल में मध्यस्थ मूल्यांकन कामकाज रोजाना के अनुसार चालू रखा जा सकेगा।

अमृत महोत्सव पर्व में शामिल हुए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में अहमदाबाद में धरती विकास मंडल द्वारा अमृत महोत्सव पर्व का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को पूरा करने में हमारे कई संगठनों का अहम योगदान रहेगा। धरती के साथ जुड़े हुए धरती विकास मंडल का 'अमृत महोत्सव पर्व' आयोजित हो रहा है, जिसमें शामिल होना गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' में हमारे समाज की क्या भूमिका होनी चाहिए तथा हम क्या कर सकते हैं, इस दिशा में हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने कहा कि धरती विकास मंडल जैसे संगठनों ने हमारे समाज की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। खुद को भी मिटाकर कार्य करना यह उदाहरण धरती विकास मंडल का है, जो हमारे लिए गौरव की बात है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हिन्दू समाज की रीढ़ पाटीदार समाज है। हमारे समाज के कई ऐसे संगठनों ने कोरोना के कठिन समय में भी विभिन्न सेवाएँ दी हैं। कार्यक्रम में पूर्व उप मुख्यमंत्री नीतिन पटेल, अहमदाबाद पूर्व के सांसद हसमुख पटेल, महेसाणा की सांसद सुश्री शारदाबेन पटेल, विधायक अरविंद पटेल, अहमदाबाद शहर की उप महापौर श्रीमती गीताबेन पटेल तथा धरती विकास मंडल के सदस्य, समाज के अग्रणी विशेष रूप से उपस्थित थे।

गुजरात कांग्रेस में हार्दिक की अनदेखी के मुद्दे पर

कांग्रेस से नाराज हार्दिक दिल्ली जाकर हाईकमान समक्ष बड़ा खुलासा करेंगे

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक अपने साथ हो रहे अन्याय की पेशकश करने के लिए दिल्ली जाएंगे

अहमदाबाद, १७ अप्रैल।

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल पार्टी से नाराजगी की बात के बीच अब वह दिल्ली हाईकमान से मिलने के लिए जा रहे होने का सामने आया है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही है कि गुजरात कांग्रेस में क्या चल रहा है और उनकी पार्टी में अनदेखी होने की बात वह हाईकमान के समक्ष कर सकते है, हार्दिक पटेल के साथ दिल्ली में कांग्रेस के सीनियर नेता मुलाकात करेंगे यह माना जा रहा है। हालांकि, इस मामले में हार्दिक ने कोई पुष्टि नहीं की। कांग्रेस में खुद के साथ अन्याय मामले में हार्दिक पटेल ने बात करने के साथ खुद पार्टी नहीं छोड़े ऐसा भी दावा किया था। हार्दिक ने कांग्रेस में कुछ गलत होगा तो आवाज उठाने की बात के बीच अब दिल्ली जाकर हाईकमान के साथ बैठक करने की चर्चा हो रही है। हार्दिक की दिल्ली में जाकर हाईकमान को पार्टी में क्या चल रहा है इस मामले में बात करने की चर्चा के बीच गुजरात कांग्रेस द्वारा भी हार्दिक की पेशकश पहले कई मुद्दे से पार्टी को अवगत कराया जाएगा ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है। जिसमें गुजरात कांग्रेस के प्रभारी डॉ. रघु शर्मा के पास रही जानकारियां दिल्ली पहुंचाने की संभावना है। पहले रघु शर्मा ने हार्दिक पटेल की नाराजगी मामले में बताया है कि, हार्दिक पटेल एक पद पर बैठे है। हार्दिक पटेल को यदि नाराजगी हो तो पार्टी फोरम में आकर बात करे। खुलेआम सीधे नाराजगी व्यक्त करना योग्य नहीं है। उन्होंने हार्दिक को सलाह दी कि, पार्टी अनुशासन से चलता है। हार्दिक पटेल को अनुशासन में रहना चाहिए, यदि नाराजगी हो तो हमारे पास आये, समाधान देंगे। हार्दिक पटेल कांग्रेस पार्टी में अपनी अनदेखी होने के मामले में नाराजगी व्यक्त करते आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने कहा कि, मैं ऐसी अपेक्षा रखूंगा की हार्दिक पटेल जैसे क्रांतिकारी और संघर्षशील युवक और संघर्ष की पार्टी आम आदमी पार्टी को पसंद करे।

गुजरात भाजपाध्यक्ष ने भगवान श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा को बता दिया उनकी पत्नी

-बवाल मचा तो मांगनी पड़ी माफी

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात भाजपाध्यक्ष सीआर पाटिल की के अल्पज्ञात धार्मिक ज्ञान ने मुसीबत में डाल दिया। दरअसल, गुजरात के पोरबंदर जिले में आयोजित माधवपुर धार्मिक मेले में भगवान श्रीकृष्ण पर आपत्तिजनक बयान देने के बाद माफी मांगनी पड़ी है। दरअसल गुजरात सरकार की ओर से आयोजित किए जाने वाले इस मेले में पाटिल ने कथित तौर पर भगवान श्रीकृष्ण और उनकी बहन सुभद्रा को पति-पत्नी बता दिया था, जिस पर लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई थी।

बीते शनिवार को पाटिल की ओर से वीडियो जारी कर माफी मांगी गई। वीडियो में उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले एक कार्यक्रम में भूलवश नाम लेने में उनसे गलती हो गई थी। मैंने उस गलती को वहीं कार्यक्रम में ही सुधार लिया था लेकिन कुछ स्थानीय लोगों ने मुझसे द्वारका माफी मांगने का कहा था। उसका भी उन्होंने सकारात्मक जबाब देने की कोशिश की। आगे उन्होंने कहा कि उनसे भूल हुई है। वे स्वीकारते हैं। मैंने अपने बयान में भगवान श्री कृष्ण के बारे में या किसी जाति और धर्म के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। उनसे केवल नाम लेने में गलती हो गई है, जिसे वह पूरी तरह स्वीकारते हैं। यदि उनके इस बयान के कारण समाज में किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो वह इसके लिए माफी मांगते हैं। वहीं, स्थानीय लोगों की ओर से द्वारका मांफी मांगने पर उन्होंने कहा कि वे जल्द वहां आएंगे।

विपक्ष नेताओं ने उठाएं थे सवालः गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया ने सोशल मीडिया पर सीआर पाटिल की क्लिप साझा करते हुए उनके इस संबोधन पर सवाल उठाएं थे। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'जिन्हें यह तक नहीं मालूम की भगवान श्री कृष्णा और सुभद्रा जी का रिश्ता क्या है! वह आज हिन्दू धर्म के ठेकेदार बन के घूम रहे हैं। भगवान श्रीकृष्ण और सुभद्रा जी को पति-पत्नी बताकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाले और जनमानस की भावनाओं को आहत करने वाले माफी मांगे।'

बता दें मान्यता है कि भगवान श्री कृष्णा और देवी रुक्मणि का विवाह माधवपुर में हुआ था जिसके उपलक्ष्य में हर साल गुजरात सरकार की ओर से मेले का आयोजन किया जाता है। इस मेले में गुजरात के साथ देश-विदेश से भी श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं।

पीएम मोदी के गुजरात दौरे को लेकर उनके कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल से तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैं और इस दौरान वे गांधीनगर, बनासकांठा, जामनगर और दाहोद में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। पीएम मोदी के आगमन के चलते उनके सभी कार्यक्रम स्थलों पर चाकचौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई हैं। साथ ही इन क्षेत्रों में पुलिस ने गश्त बढ़ा दी हैं। पीएम मोदी की सुरक्षा में कोई चूक न रहे इस पर खास ध्यान दिया जा रहा हैं। जामनगर में प्रधानमंत्री तीन दिवसीय दौरे के दौरान गांधीनगर में कंट्रोल रूम का दौरा करेंगे। जामनगर में सेन्टर फोर ट्रेडिशनल की आधारशिला रखेंगे। बनासकांठा में बनास डेयरी के नए भवन का उदघाटन कर महिला पशुपालकों को संबोधित करेंगे। दाहोद में पीएम मोदी का एक कार्यक्रम है, जिसे लेकर आसपास के इलाकों में पुलिस ने पेट्रोलिंग बढ़ा दिया हैं। साथ ही डॉग स्क्वॉड की मदद से भी जांच की जा रही हैं। पीएम मोदी के सभी कार्यक्रमों को लेकर जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। खासकर सुरक्षा व्यवस्था को चाकचौबंद किया जा रहा हैं।

डीआईडी लिटिल मास्टर्स में सागर की इम्प्रेसिव परफॉर्मेंस देखकर रेमो डिसूज़ा ने किया ऐलान, "आप सचमुच हमारे लिटिल प्रभु देवा हैं"

पिछले तीन दशकों से ज़ी टीवी भारतीय युवाओं को अपना सिंगिंग, डांसिंग और एक्टिंग टैलेंट दिखाने के लिए एक ग्लोबल मंच उपलब्ध करा रहा है। साल 2009 में जब इस चैनल का सबसे प्रतिष्ठित डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस पहली बार प्रसारित किया गया था, तो इसने देष में डांस के माहौल में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया। बीते 13 वर्षों में इस षो ने डांस के प्रति इंडिया की सच्ची लगन भी दिखाई। दर्शकों को कुछ दिलचस्प टीज़र्स के जरिए इस साल के जबर्दस्त टैलेंट की झलक दिखाने के बाद ज़ी टीवी ने देष के सबसे यंग डांसिंग टैलेंट की खोज के लिए हाल ही में अपने बेहद पॉपुलर रियलिटी षो डीआईडी लिटिल मास्टर्स के पांचवें सीज़न की शुरुआत की है।

ब्रिटन के पीएम बोरिस जॉन्सन 2 दिवसीय भारत दौरे की शुरुआत अहमदाबाद से करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) ब्रिटन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉन्सन दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं और इसकी शुरुआत अहमदाबाद से करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल से तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। 21 अप्रैल को ब्रिटन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉन्सन अहमदाबाद आएंगे। ब्रिटन में गुजरात के अनेक नागरिक निवास करते हैं। बोरिस जॉन्सन की भारत यात्रा 21 अप्रैल से अहमदाबाद से शुरू होगी। गुजरात में जॉन्सन नए विज्ञान, स्वास्थ्य एवं टेक्नोलोजी प्रोजेक्ट समेत यूनाइटेड किंगडम और भारत के मुख्य उद्योगों में बड़े निवेश की घोषणा कर सकते हैं। बोरिस जॉन्सन अपनी भारत यात्रा के दौरान वास्तविक मुद्दे यानी रोजगार, आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा समेत संरक्षण मामलों में चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ब्रिटन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉन्सन के गुजरात दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। 21 अप्रैल को गुजरात दौरे के बाद बोरिस जॉन्सन 22 अप्रैल को दिल्ली में पीएम मोदी के साथ दिल्ली में द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। नई दिल्ली में बोरिस जॉन्सन इंडो-पेसेफिक में मजबूत भागीदारी और सुरक्षा सहयोग को प्रोत्साहन देने पर पीएम मोदी के साथ बातचीत करेंगे। बता दें कि पीएम मोदी कल यानी 18 अप्रैल से गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। अपने गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी गांधीनगर, बनासकांठा, जामनगर और दाहोद में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। बनासकांठा में महिला पशुपालकों के और दाहोद में आदिवासी सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

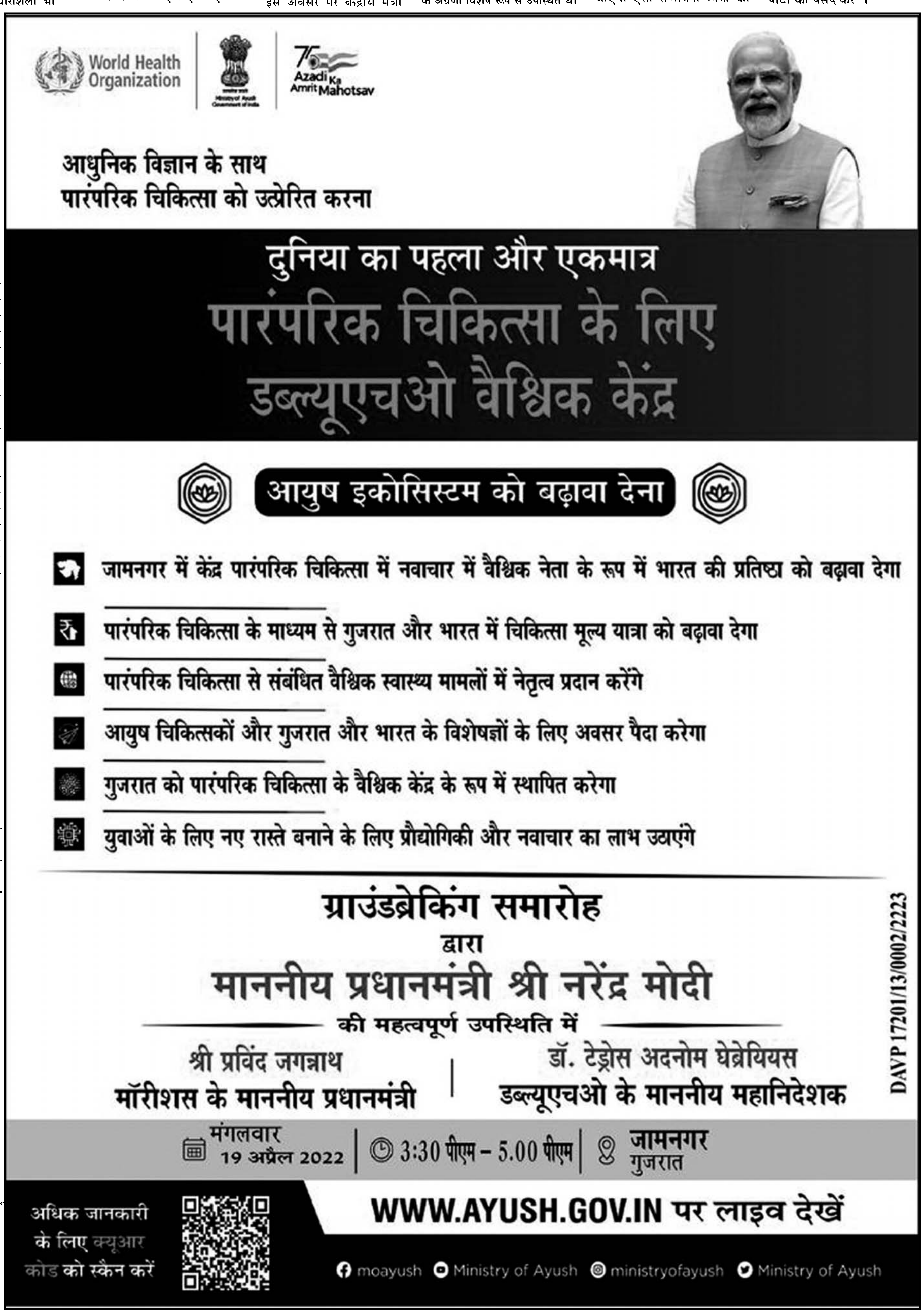

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95